■ श्रावण कृष्ण - 12 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 21 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 12-08-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 लगता है राहुल गांधी अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं : प्रह्लाद जोशी

6 अंगदान है मानवता, उदारता एवं संवेदना का द्योतक

7 'सेना के समर्थन के बिना सरकार नहीं चला सकते'

अंग्रेजों के समय के फौजदारी कानूनों की जगह लेने वाले तीन विधेयक लोस में पेश

आईपीसी, सीआरपीसी, भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह लेंगे तीनों नए विधेयक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को लोकसभा में ब्रिटिश कालीन भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह लेने के लिए तीन नए विधेयक पेश किए और कहा कि अब राजद्रोह के कानून को पूरी तरह समाप्त किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि नए कानूनों के तहत भगोड़े आरोपियों की अनुपस्थिति में उन पर मुकदमा चलाए जाने समेत अनेक प्रावधान हैं।

शाह ने सदन में भारतीय न्याय संहिता, 2023; भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 और भारतीय साक्ष्य विधेयक, 2023 को पेश करते हुए कहा कि देश में गुलामी की सभी निशानियों को समाप्त करने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार के पांच प्रण के अनुरूप इन विधेयकों को लाया गया है जो जनता के लिए न्याय प्रणाली को सुगम और सरल बनाएंगे।

गृह मंत्री के प्रस्ताव पर तीनों विधेयकों को संसदीय स्थाई समिति को भेजा जाएगा ताकि इन पर व्यापक विचार-विमर्श हो सके। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों ने राजद्रोह पर कानून बनाया था लेकिन हम राजद्रोह के कानून को पूरी तरह समाप्त करने जा रहे हैं।

लोस में विधेयकों को प्रस्तुत किए जाने के दौरान गृह मंत्री के वक्तव्य के कुछ प्रमुख बिंदु:

1. कानूनों का उद्देश्य दंडित करना नहीं, बल्कि न्याय देना है। अपराध को रोकने की भावना से सजा दी जाएगी।
2. किसी अपराध के मामले में प्राथमिकी दर्ज करने से लेकर न्याय पाने तक पूरी प्रक्रिया डिजिटल होगी।
3. फोरेंसिक विज्ञान पर ध्यान दिया जाएगा। सात साल या उससे अधिक कारावास की सजा वाले अपराध में फोरेंसिक दल का अपराध स्थल का दौरा करना अनिवार्य होगा।
4. देश के हर जिले में भविष्य में तीन चलित फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशालाएं (एफएसएल) तैनात रहेंगी।
5. कानूनों का उद्देश्य अदालतों में दोषसिद्धि की दर 90 प्रतिशत से अधिक करना है।
6. देश की सभी अदालतें 2027 तक कम्प्यूट-राइज्ड हो जाएंगी।
7. पहली बार, ई-प्राथमिकी दर्ज करना संभव होगा।
8. देश में अपराध कहीं भी हो, उसकी शून्य प्राथमिकी (जीरो एफआईआर) कहीं से भी दर्ज की जा सकेगी। संबंधित थाने को 15 दिन के अंदर शिकायत भेजी जाएगी।
9. प्रत्येक जिले में एक पुलिस अधिकारी होगा जो हिरासत में लिए गए आरोपियों के परिजनों को उन्हें गिरफ्त में लेने का प्रमाणपत्र देगा। यह सूचना व्यक्तिगत रूप से और ऑनलाइन देनी होगी।
10. यौन हिंसा के मामलों में पीड़ित का बयान और उसकी वीडियो रिकॉर्डिंग अनिवार्य होगी।
11. पुलिस को किसी मामले में स्थिति की जानकारी 90 दिन के भीतर देनी होगी।
12. सात साल या अधिक कारावास की सजा वाले अपराध के मामले में पीड़ित का पक्ष सुने बिना कोई सरकार मामले को वापस नहीं ले सकेगी। इससे नागरिकों के अधिकारों की रक्षा होगी।
13. अदालतों में मुकदमों में देरी रोकने के लिए बदलाव किए गए हैं। तीन साल से कम कारावास के मामलों में समरी ट्रायल ही पर्याप्त होगी। इससे सत्र अदालतों में 40 प्रतिशत मामले कम हो जाएंगे।
14. पुलिस को 90 दिन में आरोप पत्र दायर करना होगा। अदालत इस अवधि को 90 दिन और बढ़ा सकती है। जांच अधिकतम 180 दिन में समाप्त करनी होगी।

तमिलनाडु में सड़क दुर्घटना में चार लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेंगलपट्टू। तमिलनाडु के चेंगलपट्टू में शुक्रवार को एक अनियंत्रित लॉरी ने तीन मोटरसाइकलों को टक्कर मार दी जिससे चार लोगों की मौत हो गई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने हादसे पर शोक जताते हुए मृतकों के परिजनों को दो लाख रूपये की आर्थिक मदद की घोषणा की। दुर्घटना कट्टूपक्कम इलाके में उस वक्त की है, जब चालक लॉरी से नियंत्रण खो बैठा और वह मोटरसाइकिलों से जा टकराई। दुर्घटना में घायल एक व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुख्यमंत्री ने घायल व्यक्ति को बेहतर चिकित्सा उपचार उपलब्ध कराने का निर्देश देने के साथ ही उसे 50 हजार रुपये की आर्थिक मदद देने की घोषणा की है।

सिख दंगा मामले में दस्तावेज की जांच हेतु टाइटलर को 10 की मोहलत

नई दिल्ली/वार्ता। दिल्ली की एक अदालत ने कांग्रेस नेता एवं 1984 के सिख दंगों के आरोपी जगदीश टाइटलर की याचिका पर सुनवाई करते हुए उन्हें आरोप पत्र के दस्तावेजों को देखने के लिए 10 दिन की मोहलत दे दी।

अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट (एसीएमएम) विधि गुप्ता आनंद ने याचिका पर सुनवाई के बाद कहा कि इस मामले में अगली सुनवाई 21 अगस्त को होगी।

इससे पहले एसीएमएम की अदालत ने चार अगस्त को इस मामले के दस्तावेजों की जांच/आगे की सुनवाई 11 अगस्त को करने की बात करते हुए बेल बॉन्ड को स्वीकार कर लिया था।

फर्स्ट टेक

भारत ने अपने नागरिकों को जल्द से जल्द नाइजर छोड़ने की सलाह दी

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने नाइजर में व्यापक हिंसा के मद्देनजर वहां रहने वाले अपने नागरिकों को उस देश को छोड़ने की शुक्रवार को सलाह दी। विदेश मंत्रालय ने एक परामर्श में कहा कि जिन भारतीयों का नाइजर में रहना जरूरी नहीं है, उन्हें जल्द से जल्द वह देश छोड़ देना चाहिए। नाइजर में दो सप्ताह पहले सेना ने लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित राष्ट्रपति मोहम्मद बजौम का तख्तापलट कर दिया था। बजौम ने इस्तीफा देने से इनकार कर दिया है और वह नजरबंद हैं।

उत्तराखंड में अब हिन्दी में भी होगी एमबीबीएस की पढ़ाई

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के सभी सरकारी मेडिकल कॉलेज में इस सत्र से एमबीबीएस पाठयक्रम की पढ़ाई अंग्रेजी माध्यम के साथसाथ हिंदी माध्यम से भी होगी। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री ने इसकी जानकारी दी। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री धनसिंह रावत ने शुक्रवार को बताया कि उत्तराखंड, मध्य प्रदेश के बाद देश का ऐसा दूसरा राज्य होगा जहां मेडिकल की पढ़ाई अंग्रेजी के साथ-साथ हिंदी माध्यम से भी होगी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया से मुलाकात कर लौटने के बाद रावत ने बताया कि उन्होंने मंत्री को राजकीय मेडिकल कॉलेजों में इस माह के आखिर में शैक्षिक सत्र 202324 के लिए हिंदी में एमबीबीएस पाठयक्रम शुरू करने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया था, और इसके लिए उन्होंने अपनी सहमति भी दे दी है।

मोदी आज करेंगे संत रविदास मंदिर का शिलान्यास

सागर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को मध्यप्रदेश के सागर जिले में 14 वीं सदी के कवि एवं समाज सुधारक संत रविदास को समर्पित 100 करोड़ रुपए के मंदिर की आधारशिला रखेंगे। प्रदेश सरकार के एक मंत्री ने इसकी जानकारी दी। मध्यप्रदेश में सत्तारूढ़ भाजपा सरकार के एक मंत्री ने शुक्रवार को बताया कि इस मौके पर मोदी एक आमसभा को भी संबोधित करेंगे। प्रदेश में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। प्रदेश में प्रधानमंत्री की एक महीने से अधिक समय के अंदर यह दूसरी यात्रा होगी। इससे पहले एक जुलाई को मोदी ने शहडोल जिले के पकरिया गांव में आदिवासी नेताओं, स्वयं सहायता समूहों की सदस्य महिलाओं और युवा फुटबॉल खिलाड़ियों के साथ बातचीत की थी।

सूर्यास्त 12-08-2023 6:31 बजे	सूर्योदय 13-08-2023 5:56 बजे
BSE 65,322.65 (-365.53)	NSE 19,428.30 (-114.80)
सोना 6,183 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 77,300 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

ये पब्लिक है

संकेतों का विश्लेषण कर,
समझे हम जन मन की भाषा।
शब्दों की सिर्फ जुगाली से,
ना मिटती भूखों की आशा।
हर बार सफल ना हो सकता,
शकुनि के पाशों का पाशा।
जनसेवक केवल जुमलों से,
जनता को ना दे सकते झाँसा।।

'सोशल मीडिया के युग में प्रासंगिक बने रहने के लिए

डाक विभाग को विकसित होना होगा : राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि त्वरित संदेश और सोशल मीडिया के युग में प्रासंगिक बने रहने के लिए डाक विभाग को विकसित होना होगा। उन्होंने वित्तीय समावेशन के माध्यम से हाशिए पर रहने वाले समुदायों को सशक्त बनाने की इसकी रणनीतिक पहल की सराहना की।

राष्ट्रपति भारतीय डाक सेवा (2021 और 2022 बैच) के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित कर रही थीं, जिन्होंने यहां राष्ट्रपति भवन में उनसे मुलाकात की। मुर्मू ने कहा कि डाक विभाग ने सरकारी सब्सिडी, कल्याण भुगतान और पेंशन प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

वित्तीय समावेशन में डाक विभाग की भूमिका की सराहना करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि विभाग ने वित्तीय अंतर को कम करने और उपेक्षित समुदायों को सशक्त बनाने के लिए रणनीतिक पहल की है। उन्होंने कहा कि डाकघरों के माध्यम से धन के निर्बाध वितरण से बिचौलियों पर निर्भरता कम हुई है और 'लीकेज' भी कम हुआ है।

डाक विभाग की 160 वर्ष की उल्लेखनीय यात्रा को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि यह राष्ट्र की सेवा के प्रतीक के रूप में खड़ा है। लगभग 1.60 लाख डाकघरों के व्यापक नेटवर्क के साथ यह दुनिया का सबसे बड़ा डाक नेटवर्क है। राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय डाक नेटवर्क एकीकृत रूप में कार्य करता है, जो हमारी संस्कृतियों और परंपराओं की विशाल श्रृंखला को एक सूत्र में बांधता है।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय डाक सेवा के अधिकारियों की भूमिका इस देश के लोगों की सेवा करने के इर्द-गिर्द घूमती है और इसलिए ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि त्वरित संदेश और सोशल मीडिया के युग में डाक विभाग को प्रासंगिक बने रहने के लिए विकसित होना होगा।

सीतारमण का अंतरराष्ट्रीय समुदाय से कर्ज में फंसे देशों की मदद का आह्वान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ऐसे समय में कर्ज में डूबे देशों की मदद के लिए अमीर देशों के नेतृत्व में ठोस वैश्विक प्रयासों का शुक्रवार को आह्वान किया, जब बहुपक्षवाद सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है।

वित्त मंत्रालय और रिजर्व बैंक द्वारा आयोजित जी20 के एक सत्र को ऑनलाइन संबोधित करते हुए सीतारमण ने कहा, हमने हाल के वर्षों में इतनी बड़ी चुनौतियां कभी नहीं देखीं। ऐसे कदमों से कमजोर अर्थव्यस्थाओं को आर्थिक मुश्किलों से बचाने में मदद की जा सकती है।

सीतारमण ने कहा कि भारत ने यह सुनिश्चित किया है कि भू-राजनीतिक मतभेद अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्रभावित न करें तथा यही जी20 समूह और शिखर सम्मेलन की मुख्य अवधारणा है। उन्होंने कहा कि भारत की जी20 अध्यक्षता ने वैश्विक ऋण कमजोरियों के प्रबंधन को बहुत महत्व दिया है जिसका आज कई देश सामना कर रहे हैं। अब समय आ गया है कि अंतराष्ट्रीय समुदाय सहयोग करें और कर्ज को लेकर दबाव का सामना कर रहे निम्न-आय और कमजोर मध्यम-आय वाले देशों के लिए ऋण पुनर्गठन प्रयासों में समन्वय के मजबूत तरीके ढूंढें। उन्होंने कहा कि शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं के समूह की अपनी अध्यक्षता के हिस्से के रूप में, भारत ने वैश्विक दक्षिण की आवाज बनने की अपनी प्रतिबद्धता के कारण वैश्विक ऋण कमजोरियों के प्रबंधन को बहुत महत्व दिया है।

दिल्ली में जी20 की बैठक से माह भर पहले सीतारमण ने कहा कि अबतक भारत ने यह सुनिश्चित किया है कि अंतराष्ट्रीय सहयोग के मूल जी-20 जनादेश पर 'भू-राजनीतिक मतभेद हावी न हों। उन्होंने कहा, भारत की अध्यक्षता ने यह सुनिश्चित किया है कि 2023 में जी20 के लिए विकास का एजेंडा कायम रखते हुए सभी आर्थिक मुद्दों पर आमराय बन सके।

कोलंबो बंदरगाह पहुंचा चीन का पोत, भारत ने जताई थी चिंता

कोलंबो/भाषा। चीन की नौसेना का, निगरानी करने में सक्षम एक युद्धपोत कोलंबो बंदरगाह पहुंचा है। लगभग एक साल पहले चीन का एक अन्य जासूसी जहाज जब श्रीलंका के एक रणनीतिक बंदरगाह आया था तब भारत की ओर से चिंता जताई गई थी। श्रीलंकाई नौसेना ने कहा है कि चीन की सेना 'पीपुल्स लिबरेशन आर्मी का नौसैनिक युद्धपोत हाइ यांग 24 हाओ बृहस्पतिवार को कोलंबो बंदरगाह पहुंचा। जहाज की वापसी शनिवार को होनी है। उसने कहा, कोलंबो पहुंचे 129 मीटर लंबे जहाज पर 138 लोगों का दल सवार है और इसकी कमान कमांडर जिन शिन के पास है। जहाज कल देश से प्रस्थान करने वाला है। शुक्रवार को मीडिया में आई खबरों के अनुसार, भारत द्वारा चिंता जताए जाने के बाद श्रीलंका ने उसका आगमन विलंबित कर दिया। 'डेली मिरर' अखबार की खबर के अनुसार, चीनी अधिकारियों ने इसके लिए पहले ही अनुमति मांगी थी, लेकिन भारत के प्रतिरोध के कारण श्रीलंका ने अनुमति देने में देरी की।

आईएमएफ में कोटा समीक्षा जल्द पूरा करने की जरूरत : आरबीआई गवर्नर

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) में 'कोटा' की समीक्षा जल्द पूरा करने की जरूरत है। उन्होंने कहा है कि इससे आईएमएफ संकट में फंसे देशों की मदद और बेहतर तरीके से कर सकेगा।

वित्त मंत्रालय और आरबीआई द्वारा वैश्विक अर्थव्यवस्था पर आयोजित सेमिनार को संबोधित करते हुए दास ने कहा कि हाल के अनुभवों से पता चलता है कि पहुंच की कमी की वजह से वित्तीय संकट के समय देश आईएमएफ के बजाय अन्य निकायों से मदद मांगते हैं। दास ने कहा कि किसी देश को आईएमएफ का समर्थन उस देश के 'कोटा' पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा, 16वीं सामान्य कोटा समीक्षा के साथ कामकाज के संचालन से संबंधित मुद्दों को तेजी से पूरा किए जाने की जरूरत है।

समुदायों के बीच सद्भाव और भाईचारा आवश्यक : न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने समुदायों के बीच सौहार्द और भाईचारा बरकरार रखने की आवश्यकता पर बल देते हुए हरियाणा में हाल में हुए सांप्रदायिक दंगों के मद्देनजर दर्ज मामलों की जांच के लिए राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) द्वारा समिति गठित किए जाने पर शुक्रवार को विचार किया।

राज्य में हुई हिंसा में छह लोगों की मौत हो गई थी।

उच्चतम न्यायालय हरियाणा समेत विभिन्न राज्यों में हुई रैलियों में एक विशेष समुदाय के सदस्यों की हत्या और उनके सामाजिक एवं आर्थिक बहिष्कार के आह्वान संबंधी कथित घोर नफरत भरे भाषणों को लेकर दाखिल याचिका पर सुनवाई कर रहा था। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति एस वी एन भट्टी की पीठ ने केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के एम नटराज से निर्देश लेने और 18 अगस्त तक समिति के बारे में सूचित करने को कहा।

पीठ ने कहा, समुदायों के बीच सद्भाव और सौहार्द होना चाहिए। सभी समुदाय जिम्मेदार हैं। नफरती भाषण की समस्या अच्छी नहीं है और कोई भी इसे स्वीकार नहीं कर सकता। पीठ ने कहा, हम डीजीपी से उनके द्वारा नामित तीन या चार अधिकारियों की एक समिति गठित करने के लिए कह सकते हैं, जो एसएचओ से सभी जानकारियां प्राप्त करेगी और उनका अवलोकन करेगी और यदि जानकारी प्रामाणिक है, तो संबंधित पुलिस अधिकारी को उचित निर्देश जारी करेगी। एसएचओ और पुलिस स्तर पर पुलिस को संवेदनशील बनाने की जरूरत है।

शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता को वीडियो सहित सभी सामग्री एकत्र करने और उसके 21 अक्टूबर 2022 के फैसले के अनुसरण में नियुक्त नोडल अधिकारियों को सौंपने का भी निर्देश दिया।

सुनवाई के दौरान, नटराज ने कहा कि भारत सरकार भी नफरत फैलाने वाले भाषणों के खिलाफ है, जिसकी पूरी तरह से जांच की जानी चाहिए। उन्होंने स्वीकार किया कि नफरत फैलाने वाले भाषणों से निपटने का तंत्र कुछ जगहों पर काम नहीं कर रहा है।

'कार्यप्रणाली और दायित्व के देवता हैं शनि'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरी मंदिर संघ मामुलपेट के तत्वावधान में राजेन्द्र भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री भव्यगुणाश्रीजी ने नवग्रह शांति अनुष्ठान आराधना के अंतर्गत कहा कि शनि कार्यप्रणाली और दायित्व के देवता हैं। यह सत्यता और अखंडता के मार्ग दिखाते हैं। शनि ज्योतिष का सबसे भयावह ग्रह भी है। विभिन्न पारगमन के दौरान शनि जातक में आध्यात्मिक विकास करता है। साथ ही यह जातक को मानसिक-शारीरिक रूप से आध्यात्मिक बनने में मदद करता है। जब जातक के जीवन में करियर, व्यवसाय या विवाह से संबं धत समस्याएं आती हैं, तब वे भगवान शनि को खुश करने की कोशिश करते हैं। शनि मंत्र श्री मुनिसुव्रत स्वामी जाप से लाभ होता है। यह कठिनाइयों और बाधाओं को दूर करने में सहायता करता है। शनि मंत्र प्रतिकूल ग्रहों की स्थिति को दूर करने में सहायता करता है। इससे साढ़े साती के कष्टों से मुक्ति मिलती है।

शनि मंत्र स्वस्थ जीवनशैली, समृद्धि और आनंद प्रदान करता है। यह अनुष्ठान आराधना करने से मानसिक शांति, शारीरिक शांति मिलती है।

तिलोकचंद भंडारी ने बताया कि शुक्रग्रह के अनुष्ठान आराधना का लाभ हेमराज रिखबचंद मोदी परिवार ने लिया, संघ की ओर से लाभार्थी का सम्मान किया गया। अजितनाथ महिला संगीत मंडल नगरथपेट ने भक्ति में सभी को मंत्रमुग्ध किया।

मेघराज भंसाली ने सभी का आभार व्यक्त किया। सोलह श्रृंगार किए हुए महिलाओं को पारितोषिक वितरण किया गया।

'धर्म क्षय करने के लिए होता है धर्म'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणीबेन्नूर। शहर के सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूतिपूजक संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीजी ने प्रवचन में कहा कि हम जो थोडा बहुत धर्म करते है थोड़ा बहुत अच्छा करते हैं, वो किया हुआ सब पाप खा जाता है। पाप जो हमने किया है, वह हमारे किए हुए धर्म को खा जाता है। हम जो दानधर्म करते है- उसे लोभ लालच का खा जाता है। जो तपधर्म करते है उसे तप के बाद पारण की लालुपता खा जाती है। हम जो क्रिया करते है उसे प्रमाद सा प्यासा है। संसार से बाहर निकलने के चार द्वार है। पहला मार्गानुसारीत्व का प्रथम गुण स्थानक का द्वार, दूसरा चौथे गुणस्थानकवाला सम्यक्तव द्वार,तीसरे पांचवें गुणस्थानक वाला देशविरति द्वार तथा चौथा छठवें और सातवें गुणस्थानक वाला सर्वविरति का द्वार्। आज हमारा पुण्य है कि आठवें वर्ष में तीन द्वार में से निकल सके वैसा है। जन्म के साथ ही हमारे साथ भव्यत्व और जैनत्व की आत्मा पर मोहर लगी है। आज हमारा धर्म पाप से दुर्गन्धित है। उसमें पाप की दुर्गन्ध ऐसी फैली रही है कि जिससे धर्म की सुवास नहीं आएंगी। धर्म पुण्य बांधने को नहीं अपितु कर्म खपाने के लिए करना होता है ।

कुर्ग में कुर्ग मैरियट रिसोर्ट एंड स्पा का हुआ शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

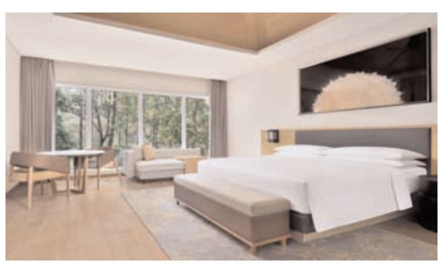

बेंगलूरु/कुर्ग। मैरियट बॉनवॉय के 31 होटल ब्रांडों में से एक मैरियट होटल्स ने कुर्ग में कुर्ग मैरियट रिसोर्ट एंड स्पा का शुभारंभ किया। मकंदुर जंगल के हरे-भरे वातावरण के बीच स्थित आधुनिक यह रिसोर्ट व स्पा कुर्ग की प्राकृतिक पहाड़ियों और शानदार परिदृश्यों के बीचों बीच होने के कारण पर्यटकों का मनचाहा स्थल बन जाएगा। इसमें प्रस्तावित रोमांचक गतिविधियों का स्पेक्ट्रम, साहसिक ट्रेक, कॉफी बागान, झरने का आकर्षण भी शामिल है। दक्षिण एशिया, मैरियट इंटरनेशनल के उपाध्यक्ष रंजू एलेक्स ने कहा कि कम्पनी प्रमुख पर्यटकों स्थल पर अपने नए लेंडमार्कों को स्थापित करना है। इस रिसोर्ट में 108 सुंदर ढंग से सजाए गए विला और कॉटेज, स्पा है।

विजयन की बेटी के वित्तीय लेनदेन की जानकारी पति के चुनावी हलफनामे में क्यों नहीं : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल में विपक्षी दल कांग्रेस ने मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की बेटी टी. वीना के कुछ वित्तीय लेनदेन संबंधी विवाद में उनके पति एवं लोक निर्माण मंत्री पी. ए. मोहम्मद रियास को घसीटते हुए शुक्रवार को पूछा कि यदि लेनदेन पारदर्शी और वैध था, तो उन्होंने अपने चुनावी हलफनामे में इसका विवरण क्यों नहीं दिया। विपक्षी दल ने मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) से यह स्पष्ट करने का भी आग्रह किया कि क्या वीना ने कोच्चि स्थित खनिज कंपनी से पैसा स्वीकार नहीं किया था या रियास की ओर से दायर हलफनामा गलत था।

इस मुद्दे पर नरम रुख अपनाने और तकनीकी कारणों का हवाला देते हुए इस विवादास्पद मामले को विधानसभा में नहीं उठाने का विकल्प चुनने के एक दिन बाद कांग्रेस कई सवालों के साथ सामने आई। सत्तारूढ़ दल पर निशाना साधते हुए कांग्रेस विधायक मैथ्यू कुझलनदान ने यहां पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में रियास द्वारा प्रस्तुत हलफनामे की एक प्रति सहित कुछ दस्तावेज पेश किए।

कांग्रेस विधायक ने बृहस्पतिवार को माकपा राज्य सचिवालय की ओर से जारी बयान का हवाला दिया, जिसमें दावा किया गया कि वीना की आईटी फर्म और खनिज कंपनी के बीच लेनदेन पारदर्शी थे। उन्होंने कहा, तो, मेरा सवाल टी वीना से नहीं है।

'प्रसन्न मन से की हुई परमात्मा की पूजा-अनुष्ठान तुरंत फलदायी बनती है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ ट्रस्ट के तत्वावधान में एलएनपुरम स्थित समणी भवन के प्रांगण में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री राजपद्मसागरजी ने प्रसन्न मन से की गई पूजा तुरंत फलदायी बनती है। श्रद्धालु को हमेशा अपने मन व प्रसन्नता के साथ प्रभु को याद करना चाहिए क्योंकि भगवान भी उन्हीं को मिलता है जो स्वयं खुश रहते है।

संतश्री ने कहा कि विमलाचल महातीर्थ की महिमा का गान करते हुए दूसरी प्रदक्षिणा में नये आदिनाथ दादा का दर्शन होता है। मुनिश्री श्रमणपद्मसागरजी म .सा ने कहा कि कोई भी क्रिया, कोई भी अनुष्ठान, सफलता की दृष्टि से किया जाता है। धर्म इच्छित परिणाम पाने की दृष्टि से किया जाता है।

'हमें अपने नहीं, दूसरों के गुणों को देखना चाहिए'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड स्थित सुमतिनाथ जैन श्वेतांबर संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री प्रियमंत्रान्जनाश्रीजी ने धर्म बिंदु ग्रंथ और अमरकुमार सुरसुंदरी चरित्र का वाचन करते हुए कहा कि हम सभी अपने आप को गुणी मानते हैं , पर दूसरों को गुणी नहीं मानते। गुणी व्यक्ति अपनी गलती स्वीकरता है, गुणानुरागी, गुण सम्पन्न बनता है। हम अपनी बड़ी गलती को भी राई जितना ही मानते हैं और दूसरों की राई जितनी गलती को बड़ा मानते हैं, दूसरों के बड़े गुण को भी छोटा मानते हैं और दूसरों की छोटी गलती को भी बड़ा मानते हैं। गुण का अनुराग होगा तो कोई झगड़ा नहीं होगा।

हमारी आत्मा भी अनंत गुण संपन्न है लेकिन हम उसे पहचान नहीं पाते है। हमारी आत्मा पर कर्मों का आवरण आया हुआ है जो हम देख नहीं सकते है, पर सर्वज्ञ सब कुछ जानते हैं और देखते है। हम अज्ञानी से ज्ञानी बनने प्रभु के दरबार में जाते हैं और हमें प्रभु से प्रार्थना करनी है कि हमारे जीवन में भी गुणानुराग आए और दोष दृष्टि दूर हो।

'संसार का मूल ही मिथ्यात्व है, मिथ्या से बचना चाहिए'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री तत्वत्रयाश्रीजी ने कहा कि मिथ्यात्व हमारे जीवन का सबसे बड़ा शत्रु है। संसार का मूल ही मिथ्यात्व है और जब तक मिथ्यात्व है तब तक संसार है। मिथ्या का मतलब होता है झूठा, झूठी धारणा का नाम मिथ्यात्व है। जो वस्तु जैसी है उससे उल्टा मानना मिथ्यात्व है। देव, तत्त्व और गुरु के विषय में जो भ्रान्तियाँ हैं, वो सब मिथ्यात्व है। अदेव में देव बुद्धि, अधर्म में धर्म बुद्धि, अगुरु में गुरु बुद्धि, अतत्व में तत्त्व बुद्धि यह सब मिथ्यात्व है। शरीर में आत्मा की बुद्धि रखना भी मिथ्यात्व की एक पहचान है। जब तक मनुष्य के हृदय से ऐसी धारणा नहीं बदलती, तब तक वो सम्यक् दृष्टि नहीं हो सकता। सम्यक् दृष्टि बनने का सबसे सरल उपाय है कि सच्चे देव, शास्त्र और गुरु के प्रति श्रद्धा रखें और अन्यों की पूजा-उपासना से अपने आप को दूर रखें। साध्वीश्री ने कहा कि गुरु व भगवान के प्रति पूज्य भाव रखना चाहिए। क्रोध किसी को देखता नहीं। क्रोध से भय, अंधकार, घंमड, उपेक्षा द्वेष होता है। अपनी कामनाएं कम रखो, इच्छा ज्यादा होगी तो समस्याएं भी आएंगी और यदि इच्छाएं पूरी नहीं हुई तो क्रोध आएगा और काम बिगड़ जाएंगे। यह जानकारी जयंतीलाल श्री श्रीमाल ने दी ।

सीमा बनीं दाहिमा ब्राह्मण महासभा की राष्ट्रीय संगठन मंत्री?

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। अखिल भारतवर्षीय दाहिमा(दाधीच) ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व महिला अध्यक्ष की सहमति से कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष सुषमा आसोपा की अनुशंसा पर बेंगलूरु की सीमा मुंडेल को संगठन मंत्री पद पर नियुक्त किया गया। सीमा ने राष्ट्रीय पदाधिकारियों को धन्यवाद देते हुए संगठन के हित में कार्य करने का आश्वासन दिया।

उत्तराखंड में भूस्खलन में दबकर पांच श्रद्धालुओं की मौत

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के रूद्रप्रयाग जिले में केदारनाथ यात्रा मार्ग पर फाटा क्षेत्र के तरसाली में भूस्खलन के मलबे के नीचे दबकर पांच श्रद्धालुओं की मृत्यु हो गई। पुलिस ने बताया कि राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) की टीम ने भूस्खलन के मलबे में कार के दबे होने की सूचना पर बचाव एवं राहत अभियान चलाया। हालांकि, बारिश के कारण अभियान चलाने में दिक्कतें आईं और बारिश रूकने के बाद बोल्डरों को हटाने जाने पर कार से पांच शवों को निकाला गया।

घरेलू ई-गेमिंग मंचों पर दांव लगाने वाली विदेशी इकाइयों को भी देना होगा 28% जीएसटी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। घरेलू ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों को विदेशी फर्मों समेत विदेशी ठिकानों से लगाए जाने वाले दांव पर 28 प्रतिशत जीएसटी काटने की जरूरत होगी। इस संदर्भ में एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) अधिनियम में संशोधन को संसद ने शुक्रवार को मंजूरी दे दी।

माल एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद ने पिछले सप्ताह ऑनलाइन गेमिंग, कसीनो और घुड़दौड़ से संबंधित क्लबों में दांव के पूर्ण अंकित मूल्य पर 28 प्रतिशत कर लगाने के लिए केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) और आईजीएसटी कानूनों में बदलाव को मंजूरी दी थी।

आईजीएसटी अधिनियम में संशोधन सरकार को ऐसी वस्तुओं को अधिसूचित करने की शक्ति देता है। इससे ऐसे सामान के आयात के मामले में आईजीएसटी अधिनियम के प्रावधानों के तहत नियमित अंतर-राज्यीय आपूर्ति के रूप में आईजीएसटी लगाने के साथ उसे एकत्र किया जा सकेगा।

कर विशेषज्ञों ने कहा कि इस संशोधन का उद्देश्य विदेशी स्थानों से लगने वाले दांव के मामले में आईजीएसटी संग्रह के संबंध में खामियों को दूर करना है। वर्तमान में, ऑनलाइन मनी गेमिंग जैसी अमूर्त (भौतिक रूप से उपलब्ध नहीं) वस्तुएं सीमा शुल्क सीमा को पार नहीं करती हैं। उनके आयात के मामले में आईजीएसटी को सीमा शुल्क के माध्यम से एकत्र नहीं किया जा सकता है।

एएमआरजी एंड एसोसिएट्स के वरिष्ठ भागीदार रजत मोहन ने कहा कि सरकार ने कर कानून में संशोधन कर यह प्रावधान किया है कि भारत के बाहर से सट्टेबाजी, जुआ, घुड़दौड़, लॉटरी या ऑनलाइन मनी गेमिंग के लिए पैसा देने वाली अंतरराष्ट्रीय इकाइयों को करों के भुगतान को लेकर घरेलू इकाइयों के समान माना जाएगा। उन्होंने कहा, इससे ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों को भुगतानकर्ता और उसके भुगतान के स्रोत की परवाह किए बिना पूरा कर चुकाना होगा। आईजीएसटी अधिनियम संशोधन के परिणामस्वरूप कानून में एक नया प्रावधान होगा। इससे तकनीकी आधार पर भविष्य में किसी भी कानूनी विवाद को रोकने में मदद मिलेगी।

सीमावर्ती देशों के साथ 125 किमी लंबी 5 नई रेललाइन परियोजनाएं निर्माणाधीन : सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने शुक्रवार को संसद को बताया कि भारत के सीमावर्ती देशों के साथ 125 किलोमीटर की कुल लंबाई की पांच नई रेल लाइन परियोजनाएं विभिन्न चरण में हैं और 60 किमी लंबी परियोजना को चालू कर दिया गया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक सवाल के लिखित जवाब में राज्यसभा को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, एक अप्रैल 2023 की स्थिति के अनुसार भारत के सीमावर्ती देशों के साथ 2,722 करोड़ रुपए की लागत वाली 125 किलोमीटर की कुल लंबाई वाली पांच नई रेल लाइन परियोजनाएं योजना/अनुमोदन/ निर्माण के चरण में हैं। उन्होंने कहा कि इसमें 60 किमी लंबी रेल लाइन को चालू कर दिया गया है और मार्च, 2023 तक कुल 1,729 करोड़ रुपए का व्यय किया गया है। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं में बालुरघाट-हिलि लाइन; जोगबनी-बिराटनगर (नेपाल) लाइन; अगरतला-अखौरा (बांग्लादेश) लाइन; महिषासन (भारत) - जीरो प्वांइट (बांग्लादेश) लाइन; बिजलपुरा- बर्दिबास (नेपाल) तक विस्तार सहित जयनगर- बिजलपुरा लाइन शामिल हैं। उन्होंने रक्सौल-काठमांडू नई रेल लाइन परियोजना के बारे में कहा कि अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लि. ने पूर्ण कर लिया है।

'रोजमर्रा के इस्तेमाल के सामान क्षेत्र पर बड़ा दांव लगा रही है आईटीसी'

कोलकाता/भाषा। विविध क्षेत्रों में कार्यरत समूह आईटीसी लिमिटेड के चेयरमैन संजीव पुरी ने कहा है दैनिक उपभोग के सामान (एफएमसीजी) कारोबार में वृद्धि की अपार संभावनाएं हैं। आईटीसी लिमिटेड की 112वीं वार्षिक आमसभा में पुरी ने कहा कि एफएमसीजी ब्रांड का कई देशों में निर्यात किया जा रहा है और प्रति व्यक्ति आय के कारण व्यापार क्षेत्र में वृद्धि की अपार संभावनाएं हैं। पुरी ने कहा, एफएमसीजी कारोबार के लिए आईटीसी की अगली रणनीति भविष्य के लिए एक मंच तैयार करना है। फिलहाल 25 से अधिक ब्रांड के साथ वार्षिक उपभोक्ता खर्च करीब 29,000 करोड़ रुपए है। पुरी ने कहा कि आईटीसी के एफएमसीजी खंड के लिए संभावित बाजार 5,000 अरब डॉलर का है। हमारे इस कारोबार के पास इस क्षमता का दोहन करने का अपार अवसर है।

एएसआई के तहत कोई मंदिर जर्जर स्थिति में नहीं : सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के तहत मंदिरों सहित 3,696 केंद्र-संरक्षित स्थल हैं और उनमें से कोई भी मंदिर जर्जर स्थिति में नहीं है। यह जानकारी सरकार ने बृहस्पतिवार को संसद में दी। सरकार से पूछा गया था कि क्या यह सच है कि देश में बड़ी संख्या में सदियों पुराने मंदिर जर्जर स्थिति में हैं और उनकी मरम्मत की आवश्यकता है। सरकार से यह भी पूछा गया था कि क्या केंद्र ने राज्य सरकारों के परामर्श से ऐसी संरचनाओं की एक व्यापक सूची तैयार की है

संस्कृति मंत्री जी किशन रेड्डी ने इस सवाल के जवाब में राज्यसभा में कहा, एएसआई द्वारा ऐसी कोई सूची तैयार नहीं की गई है। यह पूछे जाने पर कि क्या यह सच है कि देश में बड़ी संख्या में सदियों पुराने ऐसे मंदिर हैं जो जर्जर स्थिति में हैं..., सरकार ने केवल एएसआई-संरक्षित स्थलों के बारे में जवाब दिया। मंत्री ने कहा, देश में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के तहत मंदिरों सहित 3,696 केंद्रीय संरक्षित स्थल हैं। एएसआई के अधिकारक्षेत्र में कोई भी मंदिर जर्जर स्थिति में नहीं है और सभी अच्छी स्थिति में हैं। उन्होंने कहा, एएसआई राष्ट्रीय संरक्षण नीति, 2014 का पालन करते हुए आवश्यकता और संसाधनों की उपलब्धता के अनुसार मंदिरों सहित विभिन्न स्मारकों/स्थलों का संरक्षण कार्य करता है। संस्कृति मंत्री ने एक अन्य प्रश्न के उत्तर में कहा कि एएसआई में स्वीकृत 8,778 पदों के मुकाबले 2,701 रिक्तियां हैं।

इमाम बुखारी की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से 'मुसलमानों के मन की बात' सुनने की अपील

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली स्थित जामा मस्जिद के शाही इमाम सैयद अहमद बुखारी ने सांप्रदायिक हिंसा की हालिया घटनाओं की पृष्ठभूमि में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से 'मुसलमानों के मन की बात सुनने' की गुज़ारिश करते हुए शुक्रवार को कहा कि मणिपुर और हरियाणा के मेवात की घटनाएं 'मादर-ए-वतन' के भविष्य पर सवालिया निशान लगाती हैं।

बुखारी ने मोदी से गुजारिश करते हुए कहा, माननीय प्रधानमंत्री आप 'मन की बात' करते हैं, मुसलमानों के मन की बात भी सुनिए। वो इन हालात से परेशान हैं, वो सोच रहे हैं कि मुल्क का क्या भविष्य होगा? मुसलमान ही नहीं हिंदू, ईसाई और सिख भी यही सोच रहे हैं। सरकार के साथ बातचीत का समर्थन करते हुए बुखारी ने कहा, मैं हिंदुस्तान के मुसलमानों की ओर से कह रहा हूं कि हम सरकार के साथ बातचीत के लिए तैयार हैं। हम से बात कीजिए, हिंदू नेताओं से भी बात कीजिए और फिर एक संयुक्त बैठक कीजिए। इन हालात का हल तलाश कीजिए ताकि नफरत के इस माहौल से मुल्क को बचाया जा सके। जुमे की नमाज़ से पहले जामा मस्जिद में अपने संबोधन में बुखारी ने गृह मंत्री अमित शाह से भी 'दिल बड़ा' कर मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधियों से बात करने का आग्रह किया। उन्होंने आरोप लगाया कि नफरत का माहौल देश को अपनी चपेट में ले रहा है और यह बहुसंख्यक समाज के 'धर्मनिरपेक्ष लोग' भी महसूस कर रहे हैं। बुखारी ने मेवात की स्थिति पर कहा कि मुल्क में हिन्दू -मुसलमान साथ रहते हैं लेकिन कुछ लोग 'पंचायतें कर मुसलमानों का आर्थिक बहिष्कार करने की अपील कर रहे हैं और उन्हें 'धमकियां' दे रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि चुनाव की वजह से माहौल बनाया जा रहा है ताकि ध्रुवीकरण हो और वोट एकतरफा तौर पर एक पार्टी के पक्ष में पड़ें। बुखारी ने किसी पार्टी का नाम लिए बिना कहा कि देश पर किसी भी पार्टी की हुकूमत सदा नहीं रही। हुकूमतें आती जाती रहती हैं। उन्होंने कहा कि पार्टियों को जनता का दिल जीत कर और काम के आधार पर चुनाव लड़ना चाहिए। हालिया दर्दनाक वाकियात (घटनाओं) ने 'मादर-ए-वतन' के भविष्य पर सवालिया निशान लगा दिया है। फिर चाहे मणिपुर का वाक्या हो, ट्रेन में बेगुनाहों का कत्ल हो या हरियाणा के मेवात में होने वाली घटनाएं हों। उन्होंने साथ ही दावा किया कि सरकार चाहे तो इन हालात को काबू कर नफरत को खत्म कर सकती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
सूचना

AFFIDAVIT

I, **Chi/Master. AMAL SHAJU**, S/o Sri. SHAJU SEBASTIAN PARAKKADAN, aged about 19 years being born on DECEMBER 12, 2003, presently residing at House 607, 2nd Block, 2 C Cross, 6th A Main, H R B R Layout, Bangalore 560 043, do hereby declare that all the names i.e., **AMAL PARAKKADAN** and **AMAL SHAJU** and **AMAL SHAJU PARAKKADAN**, are one and the same and belongs to me only, henceforth I shall be known and called as **AMAL SHAJU** only, vide affidavit dated 08-08-2023, sworn before Advocate and Notary **ANITHA BAI** at Bangalore.

कीमतों पर अंकुश के लिए 'बफर स्टॉक' से प्याज जारी करेगी सरकार

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने अपने 'बफर स्टॉक' से लक्षित क्षेत्रों को प्याज जारी करने की घोषणा की है। यह कदम अक्टूबर से नई फसल की आवक शुरू होने से पहले कीमतों को नियंत्रण में रखने के मकसद से उठाया गया है। सरकार बफर स्टॉक से प्याज जारी करने के लिए कई विकल्प तलाश रही है। इनमें ई-नीलामी, ई-कॉमर्स के साथ-साथ राज्यों के माध्यम से उनकी उपभोक्ता सहकारी समितियों तथा खुदरा दुकानों से रियायती दरों पर बिक्री शामिल है। सरकार ने किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए मूल्य स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ) के तहत तीन लाख टन प्याज रखा है। कम आपूर्ति वाले सीजन के दौरान दाम बढ़ने पर सरकार इस प्याज को जारी करती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, प्याज कीमतें भी अब थोड़ा बढ़ रही हैं। दस अगस्त को प्याज की अखिल भारतीय खुदरा कीमत 27.90 रुपए प्रति किलोग्राम थी, जो कि एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में दो रुपए अधिक है। उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हम तत्काल प्रभाव से 'बफर स्टॉक' से प्याज देंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नैफेड) और नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनसीसीएफ) के अधिकारियों के साथ 10 अगस्त को हुई चर्चा के बाद प्याज के निपटान के तौर-तरीकों को अंतिम रूप दिया गया।

हरी झंडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में शुक्रवार को आइलैंड ग्राउंड में आयोजित समारोह में सार्वजनिक उपयोग के लिए तमिलनाडु राज्य परिवहन निगम की नवीनीकृत बसों को हरी झंडी दिखाते हुए मुख्यमंत्री एमके स्टालिन।

शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में कलैवनार अरंगम में शुक्रवार को आयोजित नशा मुक्त तमिलनाडु समारोह में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भाग लिया। उन्होंने सभी को नशा मुक्ति की शपथ दिलवाई।

इसरो ने गगनयान मिशन के लिए सफलतापूर्वक किए पैराशूट तैनाती परीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/बेंगलूरु। इसरो ने ड्रोग (वात दिग्दर्शक) पैराशूट संबंधी परीक्षणों की एक श्रृंखला सफलतापूर्वक आयोजित की है, जो नियोजित गगनयान मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन में पुन: प्रवेश के दौरान 'क्रू मॉड्यूल' को स्थिर करने और इसके वेग को सुरक्षित स्तर तक कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। गगनयान मिशन के तहत यात्रियों को सुरक्षित रूप से अंतरिक्ष तक ले जाने और वापस आने की उम्मीद है।

ड्रोग पैराशूट तेजी से चलती वस्तुओं की गति को कम करने और इन्हें स्थिर करने के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शुक्रवार को यहां जारी एक बयान में कहा कि विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र ने आठ से दस अगस्त तक चंडीगढ़ स्थित टर्मिनल बैलिस्टिक्स रिसर्च लैबोरेटरी के रेल ट्रैक रॉकेट स्लेड (आरटीआरएस) प्रतिष्ठान में सिलसिलेवार ढंग से सफल ड्रोग पैराशूट तैनाती परीक्षण किए।

लूना-25 के सफल प्रक्षेपण पर इसरो ने की रोस्कोस्मोस की सराहना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने लूना-25 के सफल प्रक्षेपण पर रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोसमोस को बधाई देते हुए कहा कि हमारी अंतरिक्ष यात्राओं में एक और मिलन बिंदु होना अद्भुत होगा। इसरो ने ट्वीट किया, लूना-25 के सफल प्रक्षेपण पर रोस्कोस्मोस को बधाई। हमारी अंतरिक्ष यात्राओं में एक और मिलन स्थल होना अद्भुत है। चंद्रयान-3 और लूना-25 मिशन को अपने लक्ष्य हासिल करने के लिए शुभकामनाएं। इसरो ने कहा कि उम्मीद है कि

रूस का लूना-25 अपने लैंडर और रोवर के साथ 16 अगस्त, 2023 तक 100 किमी की चंद्र कक्ष में होगा और 21-23 अगस्त, 2023 तक चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरेगा। इसरो ने कहा कि यह देखना बाकी है कि चंद्रमा की दौड़ में कौन जीतेगा और दक्षिणी ध्रुव पर पहला स्थान कौन हासिल करेगा - रूस लूना-25 या फिर भारत का का चंद्रयान-3।

रुसी अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस ने देश के सुदूर पूर्व में वोस्तोचन कॉस्मोड्रोम से सोयुज रॉकेट के जरिए लूना-25 मिशन का प्रक्षेपण किया। वर्ष 1976 के बाद से रूस का पहला चंद्र लैंडिंग मिशन भारत के तीसरे चंद्र मिशन के लगभग एक महीने बाद लॉन्च होने के बावजूद, चंद्रयान -3 से पहले चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतर सकता है। रूसी मिशन करीब साढ़े पांच दिन चंद्रमा की यात्रा करेगा जहां यह सतह पर उतरने से पहले 100 किमी की कक्ष में तीन से सात दिन बिताएगा। इसका मतलब यह हो सकता है कि लूना-25 उसी दिन 23 अगस्त को चंद्रमा के क्षेत्र में उतरेगा जिस दिन इसरो ने दक्षिण ध्रुव में चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग की योजना बनाई है।

मद्रास हाई कोर्ट ने कहा

कर्मचारियों को प्रबंधन के खिलाफ 'भड़ास निकालने का अधिकार'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने कंपनी के प्रबंधन के साथ समस्याओं का सामना करने वाले कर्मचारियों के लिए भड़ास निकालने के अधिकार पर जोर दिया है। न्यायमूर्ति जी.आर. स्वामीनाथन की अध्यक्षता वाली पीठ ने बैंक के प्रशासनिक निर्णयों के संबंध में व्हाट्सएप पर उपहासपूर्ण मैसेज पोस्ट करने को लेकर तमिलनाडु ग्राम बैंक के एक कर्मचारी के खिलाफ आरोप पत्र को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की।

पीठ ने कहा कि संगठन में शिकायतें होना स्वाभाविक है और कर्मचारियों को उसे व्यक्त करने की अनुमति देने से उनके दिल को तस्सली होगी और वे अच्छा महसूस करेंगे। हालाँकि, अदालत ने कहा कि यदि प्रबंधन की छवि गंभीर रूप से प्रभावित होती है, तो हस्तक्षेप किया जा सकता है। पीठ ने यह भी कहा कि इस तरह की अभिव्यक्ति को रोकना विचारों पर नियंत्रण के समान होगा। महत्वपूर्ण टिप्पणी में हाई कोर्ट ने कहा कि आज की डिजिटल रूप से जुड़ी दुनिया में निजी बातचीत पर लागू सिद्धांत सीमित पहुंच वाले एन्क्रिप्टेड वर्चुअल प्लेटफॉर्म के लिए प्रासंगिक हैं।

पीठ ने कहा कि बैंक ने सोशल मीडिया पर कर्मचारियों के आचरण को विनियमित करने के लिए 2019 में एक परिपत्र जारी किया था। एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड प्लेटफ़ॉर्म पर साझा की गई सामग्री कानूनी सीमाओं के भीतर रहनी चाहिए। पीठ ने निष्कर्ष निकाला कि याचिकाकर्ता ने बैंक के आचरण नियमों का उल्लंघन नहीं किया है और चार्ज मेमो को रद्द कर दिया।

याचिकाकर्ता ए. लक्ष्मीनारायण तूतीकोरिन में तमिलनाडु ग्राम बैंक की अरुमुगनेरी शाखा में कार्यालय सहायक के रूप में काम करते हैं। वह एक ट्रेड यूनियन कार्यकर्ता और बैंक कर्मचारी संघ का पदाधिकारी भी है। उसे अपने आलोचनात्मक व्हाट्सएप मैसेज के लिए अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ा।

याचिकाकर्ता ने अपने खिलाफ हुई कार्रवाई को हाई कोर्ट की मदुरै बेंच में चुनौती दी थी।

जरूरतमंदों को मच्छरदानी का वितरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के निर्देशानुसार खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन तथा राज्य के हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग के मंत्री पी के शेखर बाबू के आदेशानुसार शुक्रवार को वार्ड नंबर 57 से द्रमुक पार्षद राजेश जैन रंगीला ने झटकापुरम एवं कल्याणपुरम की कच्ची बस्तियों में रहने वाले लोगों के बीच 1200 से अधिक लोगों को मच्छरदानियां वितरित की राजेश जैन ने बताया कि सरकार द्वारा सभी वर्गो के कल्याण के लिए कल्याण कारी कार्यक्रम चलाए जा रहे है किसी को भी किसी प्रकार की परेशानी न हो इसका पूरा ध्यान रखा जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को चंद्रपुरी में उत्तर भारतीय परिवारों के लिए भी राशन सामग्री व साड़ी का वितरण किया जाएगा।

स्थापना दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के अलवरपेट स्थित ओ टू हेल्थ स्टूडियो जो कि स्वास्थ्य एवं फिटनेस के प्रमुख केंद्रों में से एक है ने हाल ही में अपना 22वां स्थापना दिवस मनाया। यहां आयोजित एक होटल में मुख्यअतिथि के रूप में समारोह में प्रसिद्ध तमिल फिल्म निर्माता मणिरत्नम तथा उनकी पत्नी सुहासिनी मणिरत्नम, गायक कार्तिक, हेल्थ स्टूडियो की प्रमुख नीना रेड्डी, डॉ. ऑर्नेस्ट विजय जेफरी वार्डन सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

एफआईएच ने पेनल्टी कॉर्नर के नये नियम का परीक्षण रद्द किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने शुक्रवार को कहा कि उसने पेनल्टी कॉर्नर के नये नियम के परीक्षण को छोड़ने' का फैसला किया है क्योंकि वह मौजूदा सेट पीस नियम के साथ ज्यादा छेड़छाड़ नहीं करना चाहता है।

एफआईएच अध्यक्ष तैय्यब इकराम ने यहां चल रही एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के मौके पर कहा, एफआईएच ने नये पेनल्टी कॉर्नर नियम ट्रायल को रोकने और छोड़ने का फैसला किया है। ट्रायल के दौरान जिस प्रारूप पर विचार किया जा रहा था, उस पर अब विचार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा, 'मैंने इस मामले में विकल्पों को फिर से परखने का निर्देश दिया है। हम मौजूदा नियम को बनाए रखने के पक्ष में हैं। इसमें अगर बदलाव होगा तो यह उसी प्रारूप के आसपास होगा जो अधिक गतिशील होगा।'

इस प्रस्तावित नियम के अनुसार गेंद को पुश करने वाले खिलाड़ी को छोड़कर आक्रमण करने वाली टीम के बाकी खिलाड़ी स्ट्राइकिंग सर्कल यानी डी से कम से कम पांच मीटर की दूरी से शुरुआत करेंगें। गेंद को स्ट्राइकिंग सर्किल में शॉट मारने के लिए भेजने से पहले उसका डी से आगे पांच मीटर तक जाना जरूरी है। नया नियम रक्षकों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर बनाया गया था। नया नियम लागू होने पर ड्रैग फ्लिक की कला पर पड़ने वाले विपरीत प्रभाव को देखते हुए एफआईएच ने यह फैसला किया है।

मंगलूरु में एक्सप्रेस ट्रेन से 3.16 लाख का गांजा जब्त

मंगलूरु। कर्नाटक के मंगलूरु जंक्शन रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने एक ट्रेन से 3.16 लाख रुपये मूल्य का 6.33 किलोग्राम सूखा गांजा जब्त किया। एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। विज्ञप्ति के मुताबिक, यह जब्ती बृहस्पतिवार को कारवार-यशवंतपुर एक्सप्रेस ट्रेन से उस वक्त की गई, जब आरपीएफ की टीम स्वतंत्रता दिवस से पहले पलक्कड़ रेल मंडल के अपराध जांच ब्यूरो और राज्य आबकारी विभाग के साथ मिलकर ट्रेनों का निरीक्षण कर रही थी।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि गांजा से भरा बैग एक्सप्रेस ट्रेन के जनरल कोच में मिला। इसमें बताया गया कि कोच में बैग के स्वामित्व का दावा किसी ने नहीं किया, इसलिये आरपीएफ कर्मियों ने बैग जब्त कर लिया और उसके अंदर से प्रतिबंधित मादक पदार्थ मिला।

विज्ञप्ति के अनुसार, मादक पदार्थ को आबकारी विभाग को सौंप दिया गया तथा इस संबंध में स्वापक औषधि एवं मन:प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत एक मामला दर्ज किया गया है।

'पॉलीग्रास टर्फ' पर एसीटी खेलने से टीमों को पेरिस ओलंपिक में फायदा होगा : पाठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक का मानना है कि एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी (एसीटी) में खेलने वाली टीमों को आगामी एशियाई खेलों के साथ पेरिस ओलंपिक में भी फायदा होगा क्योंकि यहां उसी 'पॉलीग्रास टर्फ' का इस्तेमाल हुआ है जिस पर उन बड़े खेलों का आयोजन होना है।

एसीटी का आयोजन यहां के मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में हो रहा है जहां नयी 'पॉलीग्रास टर्फ' बिछायी गयी है। भारतीय टीम को इस सतह पर तेजी से खेलने की आदत डालनी होगी क्योंकि इसी टर्फ का भी उपयोग पेरिस ओलंपिक में भी होगा।

उन्होंने कहा, 'यह वास्तव में एक अच्छा टर्फ है, हमें इस टर्फ का अनुभव देने के लिए तमिलनाडु सरकार को धन्यवाद। इसका उपयोग ओलंपिक के दौरान भी होगा।'

पाठक ने कहा, 'यह नयी टर्फ है इसलिये इस पर खेल थोडा धीमा है। हम इस पर लगातार खेल कर इसके अभ्यस्त हो जायेंगे। यह इस पर निर्भर करता है कि कितना जल्दी इसके अभ्यस्त होते हैं।' पॉलीग्रास पेरिस 'जीटी जीरो' को शून्य कार्बन उत्सर्जन करने वाली हॉकी टर्फ के रूप में वर्णित किया गया है जो 80 प्रतिशत बायोबेस्ड सामग्री (गन्ने) से बनी है। एशियाई

खेलों से पहले एसीटी में खेलने के बारे में पूछे जाने पर पाठक कहा, मैंने आज तक जो भी टूर्नामेंट खेले हैं, वे सभी मेरे लिए खास रहे हैं। हर टूर्नामेंट की तैयारी अलग होती है, चाहे वह प्रो-लीग हो या एसीटी। एशियाई खेलों की तैयारी भी अलग तरीके की होगी।

उन्होंने कहा, यह प्रतियोगिता हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण है और हम यहां से आत्मविश्वास बनाने में सक्षम होंगे। जो टीमें हांगझोउ में भाग लेंगी, वे एसीटी में शामिल होंगी। इसके अलावा श्रीलंका और हांगकांग जैसी कुछ अतिरिक्त टीमें भी वहां हो सकती है।

पंजाब के कपूरथला के इस 26 साल के खिलाड़ी ने एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान टीम के लिए अंतरराष्ट्रीय मैचों का सैकड़ा पूरा किया। पाठक ने कहा कि इतनी लंबी यात्रा के बावजूद वह हर दिन नई चीजें सीखते रहते हैं। उन्होंने कहा, हम हर समय सीखते रहते हैं। जब से मैं अंडर-18 टीम से आया हूं, मैं बहुत कुछ सीख रहा हूं, खासकर गोलपोस्ट से टीम का मार्गदर्शन करने और रक्षापंक्ति के साथ सामंजस्य बैठाने को लेकर कैसे काम कर रहा हूं।

चेन्नई में फ्रीडम फिलिंग स्टेशन आउटलेट का उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कैदियों के सुधार और पुनर्वास के उद्देश्य से एक अग्रणी पहल के तहत यहां के पुझल सेंट्रल जेल की महिला कैदियों द्वारा संचालित देश का पहले खुदरा पेट्रोल आउटलेट 'फ्रीडम फिलिंग स्टेशन' का उद्घाटन किया गया।

तमिलनाडु के कानून और जेल मंत्री एस.रघुपति ने महिलाओं के लिए विशेष जेल के पास पुझल में 'फ्रीडम फिलिंग स्टेशन' का उद्घाटन किया। यह कैदियों द्वारा चलाया जाने वाला छठा और महिला कैदियों द्वारा चलाया जाने वाला पहला पेट्रोल रिटेल आउटलेट है। कैदियों के सुधार और पुनर्वास के लिए जेल और सुधार सेवा विभाग की पहल के हिस्से के रूप में, शिक्षा, कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण लागू किया गया है। रघुपति ने कहा कि देश में पहली बार इस खुदरा पेट्रोल आउटलेट का प्रबंधन पूरी तरह से महिला कैदियों द्वारा किया जाएगा। इस आउटलेट में लगभग 30 महिला कैदियों को दिन की पाली में और लगभग 17 पुरुष कैदियों को रात की पाली में नियोजित किया जाएगा। प्रत्येक कैदी को मासिक वेतन के रूप में छह हजार रुपये दिए जाएंगे। पुलिस महानिदेशक, कारागार एवं सुधार सेवाएं अमरेश पुजारी ने कहा कि इस पहल के माध्यम से महिला कैदियों को नए कौशल सीखने और कार्य अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिलता है, जो उन्हें रोजगार खोजने में मदद कर सकता है। उन्होंने कहा कि उनकी रिहाई के बाद यह पहल कैदियों को बाहरी दुनिया के सामने लाएगी और उन्हें ग्राहकों तथा समाज के साथ बातचीत करने में मदद करेगी, जिससे उनके सामाजिक कौशल में सुधार हो सकता है और उनका अलगाव कम हो सकता है।

कैदियों द्वारा संचालित पांच पेट्रोल खुदरा दुकानें पुझल, वेल्लोर, कोयंबटूर, पलायमकोट्टई और बोरस्टल स्कूल पुदुक्कोट्टई में केंद्रीय कारागार के परिसर में फ्रीडम फिलिंग स्टेशन के नाम से काम कर रही हैं। नया आउटलेट राज्य में छठा आउटलेट है जो महिला कैदियों द्वारा संचालित किया जा रहा है। राज्य में पांच और जल्द ही चालू हो जाएंगे।

डीआईजी जेल ए.मुरुगेसन ने बताया कि इस साल 31 मार्च तक की अवधि के लिए सभी फ्रीडम पेट्रोल रिटेल आउटलेट्स में बिक्री, अर्जित शुद्ध लाभ और कैदियों को भुगतान की गई मजदूरी की कुल राशि क्रमशः 847.31 करोड़ रुपये, 23.94 करोड़ रुपये और 2.37 करोड़ रुपये थी।

चीन को 6-1 से हराकर पांचवें स्थान पर रहा पाकिस्तान

चेन्नई। पाकिस्तान की हॉकी टीम ने शुक्रवार को यहां एशियाई चैम्पियंस ट्राफी के पांचवें स्थान के प्लेऑफ में चीन को 6-1 से हराकर सांत्वना जीत दर्ज की। पाकिस्तान की ओर से मोहम्मद खान और मोहम्मद अम्माद ने दो दो गोल दागे जबकि अब्दुल शाहिद और अब्दुल राणा ने एक एक गोल किया। चीन के लिए एकमात्र गोल बेनहाई चेन ने दागा। पाकिस्तान ने अपने ज्यादातर उन्हीं खिलाड़ियों को उतारा जो जूनियर विश्व हॉकी चैम्पियनशिप में हिस्सा लेंगे। अब सीनियर टीम अगले महीने चीन के हांगझोउ में होने वाले एशियाई खेलों के लिए तैयारी करेगी।

पाकिस्तान ने एक तरह से मैच पहले क्वार्टर में ही जीत लिया था। नौंवे मिनट में अम्माद ने चीनी गोलकीपर और उनकी रक्षात्मक पंक्ति को चौंकाते हुए बढ़त दिलायी। अगले ही मिनट में पाकिस्तान के लिए दूसरा गोल पेनल्टी कॉर्नर पर मोहम्मद खान ने दाग दिया। फिर अगले ही मिनट उन्होंने यह बढ़त तिगुनी कर दी। चौथा गोल करने में भी

पाकिस्तानी टीम को ज्यादा समय नहीं लगा जब शाहिद ने 15वें मिनट में अब्दुल राणा और अम्माद के पास पर गोल कर दिया। चीन की रक्षात्मक पंक्ति काफी कमजोर दिख रही थी और पहले क्वार्टर के बाद पाकिस्तान 4-0 से आगे था। दूसरे क्वार्टर में पाकिस्तानी खिलाड़ी थोड़े धीमे पड़ गये जिससे चीन की टीम आक्रामक हो गयी। चेन ने 35वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से चीन के लिए गोल किया। अंतिम क्वार्टर में भी चीन ने आक्रामकता जारी रखी। लेकिन 52वें मिनट में अम्माद ने अपना दूसरा गोल कर दिया और स्कोर 5-1 हो गया। कुछ मिनट बाद राणा ने पाकिस्तान के लिए छठा गोल किया।

परेशान करने के आरोप में कांग्रेस विधायक व पुलिस अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस विधायक गोपाल मीणा और कुछ पुलिस अधिकारियों पर एक व्यक्ति ने गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया है कि इन लोगों ने पिछले दिनों उससे अपना जूता चटवाने के साथ ही उस पर पेशाब किया । इस मामले में अदालत के आदेश पर कांग्रेस विधायक और पुलिस अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

जमवारामगढ़ थाना प्रभारी सीताराम सैनी ने बताया कि मामला 27 जुलाई को अदालती इस्तगासे के माध्यम से दर्ज किया गया था और इसे जांच के लिए अपराध अन्वेषण शाखा (सीआईडी-सीबी) को भेजा गया है। थानाधिकारी ने बताया कि प्राथमिकी में वृत्ताधिकारी के अलावा जमवारामगढ़ थाना सहित तीन पुलिस स्टेशनों के थाना अधिकारियों के भी नाम हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने यहां शुक्रवार को पार्टी की विधानसभा चुनाव संबंधी तैयारियों को लेकर हुई बैठक के बाद संवाददाताओं द्वारा इस इस संबंध में सवाल किए जाने पर कहा कि उन्होंने इस मामले की रिपोर्ट मंगवाई है। शिकायतकर्ता ने बृहस्पतिवार को वायरल हुए एक वीडियो में बताया कि घटना 30 जून की है जब वह खेत में काम कर रहा था। तभी पुलिस उसे उठा कर एक जगह ले गई जहां जमवारामगढ़ के विधायक गोपाल मीणा ने उसे जूता चाटने के लिए मजबूर किया।

उसने पुलिस वृत्ताधिकारी शिवकुमार भारद्वाज पर उस पर पेशाब करने का भी आरोप लगाया है। उसने दावा किया कि पुलिस ने उसकी प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज नहीं की इसलिए उसने अदालत का दरवाजा खटखटाया और इस्तगासे के जरिए मामला दर्ज करवाया। अदालत के निर्देश पर प्राथमिकी दर्ज की गयी है।

संपर्क करने पर विधायक ने आरोपों से इनकार किया। उन्होंने कहा कि संपत्ति संबंधी विवाद के चलते उन पर फर्जी आरोप लगाए गए हैं। उन्होंने कहा,''यह दबाव बनाने की चाल है। कुछ लोग चाहते हैं कि मैं अवैध भूमि अतिक्रमण में उनकी मदद करूँ। उन्होंने कहा कि वह मामला दर्ज कराने वाले आदमी को नहीं जानते।

राजस्थान में कांग्रेस आराम से जीतेगी : वेणुगोपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने शुक्रवार को विश्वास जताया कि राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ पार्टी आसानी से एक बार फिर से जीत दर्ज करेगी। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि उनकी पार्टी राज्य की कल्याणकारी योजनाओं को मुद्दा बनाकर चुनाव लड़ेगी। इसके साथ ही उन्होंने मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरोप लगाया कि वह राज्य सरकार को बदनाम करने की कोशिश कर रही है, लेकनि जनता, भाजपा पर भरोसा नहीं करने वाली है।

वह यहां पार्टी के लोकसभा पर्यवेक्षकों तथा राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी की राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक के बाद मीडिया से बात कर रहे थे। वेणुगोपाल ने कहा, एक ही बात कहना चाहता हूं कि हम राजस्थान में निश्चित रूप से एक बार फिर जीतने जा रहे हैं। राजस्थान में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं। राज्य सरकार की चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना, मुख्यमंत्री सिलेंडर योजना, पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) आदि का जिक्र करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि पार्टी का चुनाव का मुख्य मुद्दा राज्य सरकार की गरीबों के कल्याण वाली योजनाएं रहेंगी।

वेणुगोपाल ने पूछा, और किस राज्य में आप गरीबों के लिए इतनी सारी योजनाएं देखते हैं। उन्होंने कहा, यहां लड़ाई गरीब व अमीर के बीच है। कांग्रेस आम लोगों के साथ है... भाजपा अमीर लोगों के साथ है। राजस्थान में लड़ाई गरीब बनाम अमीर होगी। हमें पूरा भरोसा है कि हम यह विधानसभा चुनाव आराम से जीतेंगे। पार्टी की बैठकों के बारे में उन्होंने कहा, ''आज हमारी सभी नेताओं के साथ बैठक हुई जिसमें उन्होंने बात रखी। सभी राज्य सरकार की योजनाओं को लेकर आश्वस्त हैं। जनता खुश हैं। भाजपा राज्य सरकार को बदनाम करने की कोशिश कर रही है लेकिन जनता उन पर भरोसा नहीं करने वाली। हम यह चुनाव जीतेंगे।

बैठक के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राजस्थान में विधानसभा चुनाव के लिए कर्नाटक मॉडल लागू किया जाएगा और उम्मीदवारों की एक सूची सितंबर के आखिरी सप्ताह या अक्टूबर के पहले सप्ताह में जारी की जाएगी। उन्होंने कहा, सबकी एक राय है कि सब मिलकर चुनाव लड़ेंगे राजस्थान में। कोई मनमुटाव नहीं है, मतभेद नहीं है। उन्होंने कहा, छोटे-मोटे मतभेद तो हिंदुस्तान में किस राजनीतिक पार्टी में नहीं होते हैं... पर सबकी मंशा एक है ... हमें चुनाव जीतना है और सरकार फिर बनानी है। उस पर सबकी एक राय है। उन्होंने कहा कि राजस्थान के चुनाव केवल राजस्थान के लिए नहीं हैं ये चुनाव देश के भविष्य को लेकर हैं। गहलोत ने फिर कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उनकी सरकार गिराने की कोशिश की थी लेकिन यह जनता के आशीर्वाद से बच गई। उन्होंने कहा, (प्रधानमंत्री नरेंद्र) मोदी जी और (गृह मंत्री) अमित शाह जी की इच्छा पूरी नहीं हुई, उनके दिल में आग लगी हुई है.. वो जब सरकार नहीं गिरने दी ... बाद में इन्होंने और प्रयास किया लेकिन उन्हें मौका नहीं मिला कि कामयाब हो। वो आग आज भी इनके दिलों में लगी हुई है...कि वो बदला लेंगे, इन चुनाव में। उन्होंने कहा, ''उसी रूप में मोदी जी (इस साल) छह दौरे कर चुके हैं। अमित शाह जी कोई कमी नहीं रख रहे। योजनाएं एवं षडयंत्र रचे जा रहे हैं गृह मंत्रालय में बैठकर ... हमें इसकी जानकारी है।

गहलोत ने कहा, ''ये बातें हमारे जहन में हैं और हम बता देंगे कि आपने जो सरकार गिराने का प्रयास किया था... प्रदेश की जनता ने तय कर लिया है, जनता मोहर लगाएगी इस बार सरकार रिपीट करने के लिए, ताकि इन्हें सबक मिले कि आप लोकतंत्र की हत्या कर रहे हो। आप चुनी हुई सरकार को गिरा रहे हो। यह सबक सिखाने का मौका राजस्थान का आया है। उन्होंने कहा, इस चुनाव में हम अवश्य कामयाब होंगे यही संकल्प बैठक में सबने लिया है। उस संकल्प को लेकर हम आगे बढ़ेंगे और सरकार को रिपीट करेंगे जनता के आशीर्वाद से। उन्होंने कहा कि इस बार बहुमत नहीं भारी बहुमत रहेगा, और मिशन-156 (200 विधानसभा सीटों में से 156 सीटें जीतने के लिए) के साथ चुनाव लड़ेंगे। कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा कि पार्टी जिताऊ उम्मीदवारों को टिकट देगी। उन्होंने कहा, कांग्रेस टिकट देने के लिए हमेशा जीतने की क्षमता और पार्टी के प्रति वफादारी देखी जाती है।

उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में पार्टी उम्मीदवार की पहली सूची सितंबर के आखिरी या अक्टूबर के पहले सप्ताह में आने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि पहली बैठक लोकसभा पर्यवेक्षकों के साथ थी और दूसरी बैठक राजनीतिक मामलों की समिति की थी, जिसमें चुनाव संबंधी मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राज्य में दोबारा सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि पूरी कांग्रेस एकजुट होकर चुनाव लड़ेगी।

बीकानेर चिकित्सा महाविद्यालय में स्थापित होगा इमरजेंसी मेडिसिन विभाग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सरदार पटेल चिकित्सा महाविद्यालय बीकानेर में इमरजेंसी मेडिसिन विभाग की स्थापना होगी। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने नवीन विभाग के निर्माण कार्यों तथा अन्य आवश्यकताओं के लिए 6.55 करोड़ रुपए के वित्तीय प्रस्ताव का अनुमोदन किया है। साथ ही, महाविद्यालय के ई.एन.टी. विभाग में विभिन्न सुविधाओं और उपकरणों के लिए 4 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी गई है। गहलोत के इस निर्णय से आपात स्थिति में रोगियों का उपचार एवं चोट का इलाज शीघ्रता से किया जा सकेगा।

इससे आमजन को त्वरित एवं बेहतर उपचार सुविधा मिल सकेगी। डूंगरपुर जिले की सागवाड़ा पंचायत समिति के ज्ञानपुर (भासौर) में नवीन उप स्वास्थ्य केन्द्र खोला जाएगा। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने इसके लिए आवश्यक पदों के सृजन तथा वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री द्वारा वर्ष 2023-24 के बजट में इस संबंध में घोषणा की गई थी।

नर्सिंगकर्मियों ने निकाली रैली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। राजस्थान के अजमेर में आज नर्सिंग संयुक्त कर्मचारी संघ के बैनर तले नर्सिंग कर्मियों ने जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज से जिला कलक्टर कार्यालय तक अपनी मांगों के समर्थन में गगनभेदी नारों के बीच रैली निकाली और मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन सौंप कर अपनी 11 सूत्रीय मांगों को पूरा करने की मांग की ।

अजमेर में कर्मचारी संघ के जिला संयोजक धर्मेंद्र चौधरी ने बताया कि नर्सिंग कर्मियों का पिछले 25 दिनों से धरना प्रदर्शन चल रहा है लेकिन सरकार के कानों पर जरा सी जूं भी नहीं रेंग रही है। उन्होंने बताया कि आज मजबूरन हमें धरना प्रदर्शन के साथ विशाल रैली का आयोजन करना पड़ रहा है। हमारी मांगों में संविदा कर्मचारियों का स्थाई करने, वेतन विसंगति से निजात दिलाने, सीनियर नर्सिंग कर्मियों का पदनाम बदलकर उन्हें राजपत्रित श्रेणी के समकक्ष लाने सहित 11मांग है।

उन्होंने बताया कि सरकार अब भी नहीं चेती तो 23 अगस्त को जयपुर कूच के साथ महारैली का आयोजन किया जायेगा। इसके लिये सभी नर्सिंग स्टाफ छुट्टी पर जायेगा और मेडिकल कॉलेज प्रबंधन को इस दिन वैकल्पिक व्यवस्था करनी होगी।

यूनिवर्सिटी में छात्रों पर लाठीचार्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में छात्रसंघ चुनाव की मांग को लेकर छात्र नेताओं ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। राजस्थान यूनिवर्सिटी में शुक्रवार को छात्रों ने सरकार की सद्बुद्धि के लिए यज्ञ किया। इसके बाद प्रदर्शनकारी छात्रों ने कुलपति सचिवालय पर ताला लगाकर जेएलएन रोड पर धरना दिया तो पुलिस ने उन पर लाठीचार्ज कर दिया। लाठीचार्ज में 6 से ज्यादा छात्रों को चोटें आईं, जबकि 5 छात्रों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

छात्रसंघ चुनाव कराने की मांग को लेकर छात्र नेताओं ने सुबह 11 बजे यूनिवर्सिटी के मेन गेट पर सरकार की सद्बुद्धि के लिए यज्ञ किया। करीब 15 मिनट यज्ञ करने के बाद छात्र नेता कुलपति सचिवालय पहुंचे और मेन गेट पर प्रदर्शन करने लगे।

आधा घंटा प्रदर्शन करने के बाद भी यूनिवर्सिटी प्रशासन की ओर से सकारात्मक आश्वासन नहीं मिलने से नाराज छात्र एक बार फिर यूनिवर्सिटी के मेन गेट पर पहुंच गए और प्रदर्शन करने लगे। दोपहर 12,15 बजे छात्रों ने जेएलएन मार्ग पर धरना शुरू कर दिया। इसके कुछ ही देर बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने छात्रों से समझाइश की कोशिश की, लेकिन जब छात्र नहीं माने तो दोपहर 12.30 बजे लाठीचार्ज कर खदेड़ दिया।

छात्र नेता महेश चौधरी ने कहा कि प्रदेशभर के स्टूडेंट छात्रसंघ चुनाव का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन सरकार चुनाव की तारीखों का ऐलान नहीं कर रही है। इसको लेकर स्टूडेंट शांति से प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन पुलिस ने बेवजह लाठीचार्ज कर छात्रों को पीटा, जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर सरकार ने जल्द छात्रसंघ चुनाव की तारीख का ऐलान नहीं किया तो राजस्थान की युवा शक्ति बड़ा आंदोलन करेगी, जिसके लिए सरकार जिम्मेदार होगी। छात्र नेता राहुल चौधरी ने कहा कि हम पिछले 2 साल से कॉलेजों में चुनाव की तैयारी में जुटे हुए थे। अब जब चुनाव का वक्त आया है तो सरकार ने खुद का सियासी फायदा देख छात्रसंघ चुनाव नहीं करने का फैसला ले लिया।

इसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आज हम लोगों ने जेएलएन मार्ग जाम किया है। अगर सरकार ने समय रहते हमारी मांग को पूरा नहीं किया तो आगे इससे भी बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा। हम न पुलिस के डंडों से डरेंगे और न ही जेल जाने से डरेंगे। आखिरी सांस तक छात्र शक्ति के लिए संघर्ष करते रहेंगे।

'विपक्ष के लिए लोकतंत्र से बड़ा दल'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने कहा है कि देश में विपक्ष ने पूर्ण बहुमत से चुनी हुई सरकार के खिलाफ अकारण अविश्वास प्रस्ताव लाकर सिद्ध कर दिया है कि लोकतंत्र से बड़ा उनके लिए दल है और राष्ट्र से पहले राजनीति उनकी प्राथमिकता है।

श्रीमती राजे ने विपक्ष द्वारा लाये गये अविश्वास प्रस्ताव के गिर जाने के बाद यह बात कही। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि मोदी के नेतृत्व में पिछले चार साल में केंद्र सरकार द्वारा कई ऐसे बिल लाए गए थे जो गांव, गरीब, दलित, किसान, पिछड़ों और आदिवासियों के कल्याण के लिए थे। देश के हर वर्ग का भविष्य इन बिलों से जुड़ा हुआ था लेकिन विपक्ष ने इनमें कभी कोई रुचि नहीं दिखाई।

उन्होंने कहा कि परंतु जनता के द्वारा पूर्ण विश्वास के साथ पूर्ण बहुमत से चुनी हुई सरकार के खिलाफ अकारण अविश्वास प्रस्ताव लाकर विपक्ष ने सिद्ध कर दिया है कि लोकतंत्र से बड़ा उनके लिए दल है। राष्ट्र से पहले उनकी प्राथमिकता राजनीति है। इसलिए प्रधानमंत्री ने सच ही कहा है कि विपक्ष को गरीब की भूख की चिंता नहीं है बल्कि सत्ता की भूख ही उनके दिमाग पर सवार है। श्रीमती ने कहा कांग्रेस सहित समस्त विपक्षी दलों को यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि देश आपको देख रहा है, आपके एक-एक शब्द को, प्रतिक्रिया को गौर से सुन रहा है। देश को आपसे एक बेहतर विपक्ष की उम्मीद है, जो राष्ट्रहित के मुद्दों पर बात करें, जनता से जुड़े सवाल करें। लेकिन शायद दलगत राजनीति को ढाल बनाकर लोकतंत्र को छलनी करना अब आपकी आदत बन चुकी है। इसीलिए हर बार देश को निराशा के सिवा आपने कुछ नहीं दिया है।

'मुंगेरीलाल के हमेशा हसीन सपने ही देखते है गहलोत'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में विधानसभा चुनाव जीतकर सरकार रिपीट कराने का दावा कांग्रेस लतागार कर रही है। हाल ही में सीएम अशोक गलहोत ने कहा कि कांग्रेस 156 सीटें जीतेगी। इस बयान को लेकर नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा- मुख्यमंत्री गहलोत की मुंगेरीलाल बता दिया। उन्होंने कहा कि गहलोत की पुरानी आदत है, मुंगेरीलाल जब सपने देखता है, हसीन ही देखता है उसे कोई रोक भी नहीं सकता है।

राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि साल 2013 में भी गहलोत ने दावा किया था कि सरकार रिपीट होगी। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस 156 सीटें जीतेगी। लेकिन, क्या हुआ ये सबको पता है, कांग्रेस मात्र 21 सीटों पर सिमट रह गई थी। गहलोत इस बार भी कितने भी हसीन सपने देख लें कांग्रेस का हाल वही होना है। उन्होंने कहा कि गहलोत कहते हैं कि सरकार रिपीट होगी, पर मैं कहता हूं ये सरकार डिलीट होगी।

केसी वेणुगोपाल के कांग्रेस गरीबों की पार्टी है वाले बयान पर भी नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ हमला बोला। उन्होंने कहा कि वेणुगोपाल ने जो कहा वो सही है। हमने देखा कि 4 साल 7 महीने में इस सरकार ने उनकी गरीबी मिटा दी जिन्होंने इस सरकार को बचाने में साथ दिया था। 34 दिन तक ये सरकार होटल में रही, इनका साथ देने वाले सभी विधायक अरबपति हैं, इसलिए वेणुगोपाल सही कह रहे हैं कि कांग्रेस गरीबो की पार्टी है। राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि गहलोत की घोषणाएं बता रही हैं कि ये सरकार कुछ ही हफ्ते की बची है।

कोविंद 18 को सालासार धाम में स्कूल का करेंगे लोकार्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

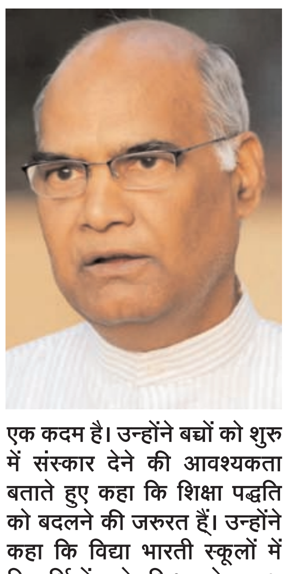

जयपुर। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद राजस्थान के चुरु जिले में स्थित सालासर बालाजी धाम में निर्मित श्रीमती त्रिवेणी देवी धानुका उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर स्कूल का 18 अगस्त को लोकार्पण करेंगे।

धानुका ग्रुप के चेयरमैन आर जी अग्रवाल ने शुक्रवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि माताजी श्रीमती त्रिवेणी देवी की सौवें जन्मोत्सव पर इस स्कूल का शुभारंभ श्री कोविंद करेंगे। लोकार्पण कार्यक्रम सुबह नौ बजे शुरु होगा जिसमें केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी एवं केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री निसिथ प्रमाणिक भी शरीक होंगे।

उन्होंने बताया कि लोकार्पण की पूर्व संध्या पर भजन संध्या का आयोजन किया जायेगा जिसमें लोकप्रिय पार्श्वगायिका अनुराधा पौडवाल एवं उनकी पुत्री कविता पौडवाल अपनी प्रस्तुति देंगे। अग्रवाल ने कहा कि स्कूल का लोकार्पण केवल एक संस्थान का लोकार्पण नहीं है, बल्कि समाज को ज्ञान के प्रकाश का उपहार देकर सशक्त करने की दिशा में एक कदम है। उन्होंने बच्चों को शुरु में संस्कार देने की आवश्यकता बताते हुए कहा कि शिक्षा पद्धति को बदलने की जरुरत हैं। उन्होंने कहा कि विद्या भारती स्कूलों में विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ संस्कारवान भी बनाया जाता है।

उन्होंने बताया कि विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान सबसे बड़ी गैर-सरकारी शिक्षण संस्था है जो देश में करीब तेरह हजार विद्यालयों का संचालन करती है जिनमें 35 लाख विद्यार्थी पढ़ते हैं।

इस संस्था की शुरुआत 1952 में सरस्वती शिशु मंदिर की स्थापना के साथ हुई थी। प्राचीन भारतीय ग्रंथों से प्रेरित विद्या भारती ने वैश्विक स्तर पर अपनी विशेष पहचान बनाई है।

'गुड टच-बैड टच' मानवता का विषय, इसे सरकारी ट्रेनिंग न समझे : जैन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। स्कूल शिक्षा विभाग के शासन सचिव नवीन जैन ने कहा कि 'गुड टच-बैड टच' मानवता का विषय है, सरकारी स्कूलों के बच्चों में इसकी सही-सही समझ विकसित करने के लिए इसके प्रशिक्षण को सरकारी दायित्व का हिस्सा नहीं मानते हुए सभी व्यक्तिगत रूचि और जिम्मेदारी के साथ मन से इस अभियान से जुड़े। जैन शुक्रवार को जयपुर में दुर्गापुरा स्थित स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर एवं मैनेजमेंट (सियाम) में 'सुरक्षित स्कूल सुरक्षित राजस्थान' अभियान की शुरुआत के मौके पर आयोजित 'मास्टर ट्रेनर्स' की राज्य स्तरीय कार्यशाला के प्रशिक्षण सत्रों में 'विषय विशेषज्ञ' के रूप में मार्गदर्शन कर रहे थे। उन्होंने औपचारिकताओं से परे एक 'सब्जेक्ट एक्सपर्ट' तौर पर अपने प्रेजेंटेशन में 'सुरक्षित स्पर्श-असुरक्षित स्पर्श' की उदाहरणों के साथ व्याख्या की। वहीं 'बैड टच' से बच्चों को बचाने के लिए व्यावहारिक और आसान तरीके भी सुझाए।

शासन सचिव ने कहा कि समाज में बच्चों के साथ होने वाली यौन दुर्व्यवहार की घटनाओं को रोकने के लिए 'जागरूक परिवार और जागरूक बच्चे' की अवधारणा पर कार्य करने की आवश्यकता है। स्कूल शिक्षा विभाग ने इस थीम को प्रदेश के 66 हजार से अधिक सरकारी विद्यालयों के माध्यम से प्रदेश के सभी बच्चों तक ले जाकर 'गुड टच-बैड टच' के संवेदनशील विषय पर व्यापक जागरूकता लाने के लिए इस अभियान की रूपरेखा तैयार की है। उन्होंने बताया कि राज्य स्तर पर प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले 1200 'मास्टर ट्रेनर्स' आगामी दिनों में जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशालाओं में सम्बंधित जिले के सभी सरकारी स्कूलों से चयनित एक-एक टीचर को 'मास्टर ट्रेनर' बनाएंगे। उनके माध्यम से आगामी 26 अगस्त को राज्य के सभी सरकारी स्कूलों में 'नो बैग डे' की गतिविधि के तहत एक साथ 'गुड टच-बैड टच' के बारे में जागरूकता का प्रथम चरण आयोजित होगा। इसके बाद आगामी अक्टूबर और जनवरी माह में इसी तर्ज पर सभी स्कूलों में दूसरे और तीसरे चरण में रिपीट सत्र आयोजित होंगे।

कार्यशाला में बताया गया कि माता-पिता का प्यार और स्नेह के रूप, मां द्वारा बच्चों को नहलाते समय, दादा-दादी द्वारा आशीर्वाद के लिए या दोस्तों एवं परिवार के सदस्यों की ओर से खुशी के पलों में 'टच' अच्छे और सुरक्षित स्पर्श के रूप है। इसी प्रकार शिक्षकों द्वारा सराहना या शाबासी, समाज के अन्य व्यक्तियों द्वारा आशीर्वाद या फिर माता-पिता की उपस्थिति में डॉक्टर द्वारा ईलाज के लिए बच्चे का स्पर्श 'गुड टच' की श्रेणी में आते हैं। बच्चों को होंठ, छाती, टांगों के बीच आगे-पीछे और कमर के नीचे की ओर छूना 'बैड टच' हैं। वहीं बिना छुए फोन या लैपटॉप पर पर बुरी तस्वीरे या वीडियो दिखना 'डिजिटल बैड टच' होता है। प्रशिक्षण में बताया कि 'गुड-टच' बच्चों में प्यार और खुशी की भावना आती है और वे अच्छा महसूस करते है। 'बैड-टच' से बच्चा हैरान, अकेला, शर्मिंदा और उदास हो जाता है, उसमें गुस्से और चिड़चिड़ेपन के लक्षण दिखाई देते हैं।

हंगामेदार मानसून सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित : छाया रहा मणिपुर मुद्दा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसद का हंगामेदार मानसून सत्र शुक्रवार को अनिश्चित काल के लिए स्थगित हो गया और इस दौरान मणिपुर मुद्दे को लेकर लोकसभा एवं राज्यसभा में लगातार गतिरोध बना रहा।

हालांकि, लोकसभा में विपक्ष द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर सत्ता पक्ष एवं विपक्षी दलों के सदस्यों ने एक दूसरे पर जमकर तीर चलाए किंतु बाद में यह खारिज हो गया तथा सत्र के दौरान सरकार कई महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित करवाने में कामयाब रही। बीस जुलाई से शुरू हुए मानसून सत्र के दौरान मणिपुर मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बयान और चर्चा कराए जाने की मांग सहित विभिन्न मुद्दों पर हंगामे के कारण लोकसभा में कुल 46 प्रतिशत कामकाज हुआ वहीं राज्यसभा में व्यवधानों के कारण 50 घंटे और 21 मिनट बर्बाद हुए। मानसून सत्र के दौरान अशोभनीय एवं नियम विरुद्ध आचरण के कारण लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी एवं आम आदमी पार्टी के एकमात्र सदस्य सुशील कुमार रिंकू, वहीं राज्यसभा में आप के संजय सिंह एवं राघव चड्ढा को निलंबित कर दिया गया। वैसे राज्यसभा में कांग्रेस की निलंबित चल रही सदस्य रजनी पाटिल का निलंबन समाप्त कर दिया गया और उन्हें सदन की कार्यवाही में भाग लेने का मौका दिया गया।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने निचले सदन की कार्यवाही को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने की घोषणा से पहले बताया कि सत्र के दौरान 17 बैठक हुईं जिनमें 44 घंटे 13 मिनट कामकाज हुआ। उन्होंने कहा कि मानसून सत्र में लोकसभा की कार्य उत्पादकता करीब 46 प्रतिशत रही।

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने उच्च सदन की कार्यवाही को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने से पहले अपने पारंपरिक संबोधन में कहा, एक बार फिर, हम संकीर्ण हितों के आकर्षण में आ गए और सदन में अव्यवस्था को सामान्य बात होने दिया। ऐसा लगता है कि मेरी अपीलों का सदस्यों पर अच्छा प्रभाव नहीं पड़ा।

धनखड़ ने कहा कि सदन में बार-बार व्यवधान से स्पष्ट होता है कि उनके संदेश पर अपेक्षित गंभीरता से विचार नहीं किया गया।

सत्र के दौरान दोनों सदनों में पारित किए गए महत्वपूर्ण विधेयकों में बहु राज्य सहकारी सोसाइटी संशोधन विधेयक 2023, डिजिटल वैयक्तिक डाटा संरक्षण विधेयक 2023, राष्ट्रीय परिचर्या और प्रसूति विद्या आयोग विधेयक 2023, राष्ट्रीय दंत चिकित्सा आयोग विधेयक 2023, जन विश्वास उपबंधों का संशोधन विधेयक 2023, दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्य क्षेत्र शासन संशोधन विधेयक 2023 और अंतर सेना संगठन कमान, नियंत्रण और अनुशासन विधेयक 2023 शामिल हैं। लोकसभा में कांग्रेस के गौरव गोगोई द्वारा सरकार के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर 8 से 10 अगस्त तक चर्चा हुई। इसमें कांग्रेस नेता राहुल गांधी, अधीर रंजन चौधरी, मनीष तिवारी, तृणमूल कांग्रेस के सौगत राय, महुआ मोइत्रा, राकांपा की सुप्रिया सुले, समाजवादी पार्टी की डिंपल यादव, एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी सहित विभिन्न विपक्षी नेताओं ने भाग लेते हुए सरकार की नीतियों एवं मंशा को लेकर जमकर तीर छोड़े। उन्होंने विशेष रूप से मणिपुर में हाल में हुई हिंसा को लेकर सरकार पर हमला बोला।

जो राजग में भय की वजह से हैं, चुनाव के समय पाला बदल लेंगे : नीतीश

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को दावा किया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के कई घटक भय के कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा के साथ हैं और वे चुनाव के समय पाला बदलेंगे। जनता दल (यूनाइटेड) नेता कुमार विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' के प्रमुख वास्तुकारों में से एक हैं। पत्रकारों के इस सवाल पर कि क्या उन्हें लगता है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में राजग का सफाया होगा, कुमार ने कहा, बिल्कुल। मोदी के 'घमंडिया' तंज के बारे में पूछे जाने पर कुमार ने कहा, हम सभी ने देश की भलाई के लिए हाथ मिलाया है। उन्हें (भाजपा) पता नहीं है कि कई पार्टियां, जिनका मैं अभी नाम नहीं लूंगा, डर के कारण उनके साथ हैं। चुनाव की घोषणा होने पर वे इस ओर आएंगी।

भाजपा से एक साल पहले नाता तोड़ने वाले कुमार ने अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के पहले दो दिनों के दौरान संसद से मोदी की अनुपस्थिति पर भी परोक्ष रूप से कटाक्ष किया। कुमार ने तंज कसते हुए कहा, सदन का सत्र चल रहा है और लोग घूमते रहते हैं। ये वो समय नहीं है, जब अटल बिहारी वाजपेयी सत्ता में हुआ करते थे और मैं उनके मंत्रियों में से एक था। हम इसका ध्यान रखते थे कि हम सदन में रहें और कार्यवाही पर ध्यान दें। कुमार की पार्टी जद (यू) ने अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन किया था। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने मणिपुर मुद्दे और देश के सामने आने वाली अन्य समस्याओं को उजागर करके अपनी जिम्मेदारी निभाई। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से, ऐसा लगता है कि सत्ता ने मीडिया पर कब्ज़ा कर लिया है।

हिंदुओं का ईसाई धर्म में धर्मांतरण कराने के चार आरोपी गिरफ्तार: पुलिस

बहराइच (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के बहराइच के मुर्तिहा थाना अंतर्गत हरखापुर गांव में ग्रामीणों को कथित तौर पर प्रलोभन देकर ईसाई धर्म में धर्मांतरण कराने में शामिल होने के आरोपी पिता-पुत्री सहित ईसाई मिशनरी के चार लोगों को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया गया। ये सभी आरोपी बहराइच के निवासी हैं। यह जानकारी पुलिस ने दी।

पुलिस अधीक्षक प्रशान्त वर्मा ने बताया कि बृहस्पतिवार को मुर्तिहा पुलिस को सूचना मिली कि हरखापुर गांव में कुछ लोग हिन्दू धर्म की महिलाओं और पुरुषों को बहला फुसलाकर और धन का प्रलोभन देकर अवैध रूप से ईसाई धर्म स्वीकार कराने का षडयंत्र रच रहे हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस ने हरखापुर गांव निवासी लालसा देवी और उसके पिता समतू, निधिपुरवा निवासी मिठाई लाल और नौबना गांव निवासी जीवन लाल के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 147, 295ए, 298, 504, 506 के तहत मामला दर्ज किया है और चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

निर्वाचन आयोग ने असम परिसीमन पर अंतिम रिपोर्ट प्रकाशित की, एक लोकसभा, 19 विस सीट के नाम बदले

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को असम में विधानसभा और संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन पर अपनी अंतिम रिपोर्ट प्रकाशित की, जिसमें उनकी कुल संख्या क्रमशः 126 और 14 पर बरकरार रखी गई है। अपने अंतिम आदेश में, आयोग ने एक संसदीय और 19 विधानसभा क्षेत्रों के नाम में बदलाव किया है।

निर्वाचन आयोग के एक बयान के अनुसार, 19 विधानसभा और दो लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षित किए गए हैं। बयान के अनुसार, राज्य में एक लोकसभा और नौ विधानसभा क्षेत्र अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित किए गए हैं। इसमें कहा गया कि रिपोर्ट को अंतिम रूप देने से पहले 1,200 से अधिक अभ्यावेदन पर विचार किया गया। आयोग को प्राप्त सुझावों और आपत्तियों में से 45 प्रतिशत का अंतिम आदेश में समाधान किया गया। राज्य के सभी विधानसभा और संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन 2001 की जनगणना के आधार पर किया गया। उसने कहा, जनगणना आयुक्त द्वारा प्रकाशित 2001 की जनगणना के आंकड़ों पर ही इस उद्देश्य के लिए विचार किया गया है।

बृजभूषण शरण सिंह पर मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त सबूत, दिल्ली पुलिस ने अदालत को बताया

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को एक मेट्रोपोलिटन अदालत को बताया कि महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न के मामले में भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के निवर्तमान प्रमुख और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त सबूत हैं।

शहर पुलिस ने अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट हरजीत सिंह जसपाल को बताया कि बृजभूषण और सह-आरोपी एवं डब्ल्यूएफआई के निलंबित सहायक सचिव विनोद तोमर के खिलाफ प्रथम दृष्टया मामला बनता है। पुलिस का प्रतिनिधित्व कर रहे सरकारी वकील अतुल श्रीवास्तव ने अदालत को बताया, आरोपी व्यक्तियों पर उन अपराधों के लिए आरोप लगाया जाना चाहिए, जिनके लिए उनके खिलाफ आरोप पत्र दायर किया गया है। उन्होंने कहा कि बृजभूषण के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 354 (महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से उस पर हमला या आपराधिक बल प्रयोग), 354-ए (यौन उत्पीड़न) और 354-डी (पीछा करना) सहित अन्य धाराओं के तहत आरोप तय करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं। अदालत अब इस मामले की सुनवाई 19 अगस्त को करेगी, जब शिकायतकर्ताओं के वकील आरोप के बिंदु पर दलीलें दे सकते हैं।

पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने डब्ल्यूएफआई के चुनावों पर रोक लगाई

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के शनिवार को होने वाले बहुप्रतीक्षित चुनावों पर अगले आदेश तक रोक लगा दी। अदालत ने यह कार्रवाई हरियाणा कुश्ती संघ (एचडब्ल्यूए) द्वारा दायर की गई याचिका पर की। एचडब्ल्यूए ने हरियाणा एमेच्योर कुश्ती संघ को डब्ल्यूएफआई के चुनाव में मतदान का अधिकार देने के फैसले को चुनौती दी थी।

हरियाणा कुश्ती संघ के अध्यक्ष सांसद दीपेंद्र हुड्डा हैं। हरियाणा कुश्ती संघ का प्रतिनिधित्व कर रहे एडवोकेट रविंदर मलिक ने कहा कि एचडब्ल्यूए राज्य में एक पंजीकृत सोसायटी है और डब्ल्यूएफआई से मान्यता प्राप्त है। उन्होंने कहा कि डब्ल्यूएफआई के नियमों और संविधान के अनुसार कोई भी मान्यता प्राप्त पंजीकृत संस्था डब्ल्यूएफआई चुनाव में वोट डालने के लिए दो प्रतिनिधियों को भेज सकती है।

एचडब्ल्यूए के वकील ने कहा कि एक अन्य संस्था हरियाणा एमेच्योर कुश्ती संघ ने दावा किया है कि वह डब्ल्यूएफआई के साथ-साथ हरियाणा ओलंपिक संघ (एचओए) से भी मान्यता प्राप्त है।

लगता है राहुल गांधी अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं : प्रह्लाद जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने शुक्रवार को कहा कि लोकसभा में कांग्रेस सदस्य राहुल गांधी के भाषण से 'भारत माता' शब्द नहीं बल्कि असंसदीय शब्दों को हटाया गया और उनके बयानों से ऐसा प्रतीत होता है कि वह अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं। संसद का मानसून सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए जाने के बाद संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने संवाददाताओं से बातचीत में यह बात कही। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष के बयान के बारे में एक सवाल के जवाब में जोशी ने कहा, राहुल गांधी का आज का बयान देशहित में नहीं है, उन्हें समझ नहीं है और ऐसा प्रतीत होता है कि वह मानसिक संतुलन खो बैठे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि तथाकथित ग्रैंड ओल्ड पार्टी गैर जिम्मेदाराना आचरण कर रही है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि जब मणिपुर में आग लगी है, हत्याएं और बलात्कार हो रहे हैं, तो ऐसे समय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद के भीतर जिस प्रकार से 'हंसी-मजाक' किया, वह उन्हें शोभा नहीं देता। वहीं, संसदीय कार्य मंत्री जोशी ने कहा कि यह अच्छा संकेत है कि विपक्षी पार्टी भारत माता के बारे में बात करने लगी है और भारत माता की जय के नारे लगा रही है और ऐसा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत भाजपा सरकार के कारण हो रहा है।

विपक्ष ने राजनीतिक कारणों से मणिपुर सहित अन्य विषयों पर संसद में चर्चा में हिस्सा नहीं लिया : सरकार

नई दिल्ली/भाषा। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने मणिपुर पर चर्चा नहीं कराने को लेकर कांग्रेस सहित विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि सरकार के बार बार चर्चा के आग्रह करने के बावजूद विपक्षी दलों ने दुर्भाग्यपूर्ण रूप से राजनीतिक कारणों से चर्चा में हिस्सा नहीं लिया। जोशी ने कहा, संसद में पेश और पारित किए गए विधेयक महत्वपूर्ण थे। मणिपुर के मुद्दे पर भी राजनाथ सिंह और उच्च सदन के नेता पीयूष गोयल ने विपक्ष को भरोसा दिया था। लेकिन हमारे बार बार आग्रह करने के बावजूद यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि विपक्ष ने राजनीतिक कारणों से चर्चा में हिस्सा लिया।

'कर्नाटक की तरह मप्र की जनता भी 'भ्रष्ट' भाजपा को सत्ता से बाहर करेगी'

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने मध्य प्रदेश में सरकारी कामों के ठेकों में कथित तौर पर 50 प्रतिशत कमीशन मांगे जाने को लेकर शुक्रवार को राज्य में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार पर निशाना साधा। कांग्रेस ने कहा कि मध्य प्रदेश की जनता भी कर्नाटक की तरह भ्रष्ट भाजपा को सत्ता से हटाएगी। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने एक खबर का हवाला दिया, जिसमें दावा किया गया है कि मध्य प्रदेश की 'कॉन्ट्रैक्टर एसोसिएशन' ने पत्र लिखकर प्रशासन पर 50 प्रतिशत कमीशन मांगने का आरोप लगाया है। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, कर्नाटक में भाजपा की 40 प्रतिशत कमीशन वाली सरकार थी। मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार उससे भी एक कदम आगे है। यहां 50 प्रतिशत कमीशन की बात सामने आ रही है।

सोशल मीडिया मंच ट्वीटर का नया नाम 'एक्स' हो गया है। उन्होंने कहा, जैसे कर्नाटक के लोगों ने भ्रष्ट भाजपा सरकार को हटाया, वैसे ही मध्य प्रदेश की जनता भी इस भ्रष्ट सरकार को सत्ता से बाहर करेगी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, मध्य प्रदेश में ठेकेदारों के संघ ने उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर शिकायत की है कि प्रदेश में 50 प्रतिशत कमीशन देने पर ही भुगतान मिलता है। कर्नाटक में भ्रष्ट भाजपा सरकार 40 प्रतिशत कमीशन की वसूली करती थी। मध्य प्रदेश में भाजपा भ्रष्टाचार का अपना ही रिकॉर्ड तोड़कर आगे निकल गई है। उन्होंने कहा, कर्नाटक की जनता ने 40 प्रतिशत कमीशन वाली सरकार को बाहर किया, अब मध्य प्रदेश की जनता 50 प्रतिशत कमीशन वाली भाजपा सरकार को सत्ता से हटाएगी।

मणिपुर में आग लगी है, ऐसे में हंसी-मजाक करना प्रधानमंत्री को शोभा नहीं देता : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि जब मणिपुर में आग लगी है, हत्याएं और बलात्कार हो रहे हैं, तो ऐसे समय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद के भीतर जिस प्रकार से 'हंसी-मजाक' किया, वह उन्हें शोभा नहीं देता।

राहुल गांधी ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में यह दावा भी किया कि मणिपुर को दो हिस्सों में बांट दिया गया है और वहां भारत की अवधारणा (आइडिया ऑफ इंडिया) और हिंदुस्तान की हत्या कर दी गई है तथा प्रधानमंत्री नहीं चाहते कि पूर्वोत्तर के इस राज्य में लगी आग बुझे।

लोकसभा में विपक्ष के अविवश्वास प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस और कई अन्य विपक्षी दलों पर तीखा प्रहार किया था। उन्होंने मणिपुर में शांति बहाली के लिए सभी से मिलकर काम करने और वहां के लोगों के लिए 'दर्द की दवा' बनने का आग्रह करते हुए कहा था कि देश का पूर्वोत्तर क्षेत्र वैश्विक दृष्टि से केद्र बिंदु बनने वाला है तथा मणिपुर में शांति का सूरज उगेगा। अविश्वास प्रस्ताव ध्वनिमत से खारिज कर दिया गया था।

राहुल गांधी ने कहा, कल (बृहस्पतिवार) प्रधानमंत्री ने लोकसभा में दो घंटे 13 मिनट का भाषण दिया, लेकिन इसमें मणिपुर पर सिर्फ दो मिनट बात की। मणिपुर में महीनों से आग लगी है, लोग मारे जा रहे हैं, बलात्कार हो रहे हैं, बच्चों को मारा जा रहा है और प्रधानमंत्री हंस-हंसकर बात कर रहे थे। मजाक कर रहे थे। ये हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री को शोभा नहीं देता। उन्होंने कहा, संसद के बीच में बैठे प्रधानमंत्री बेशर्मी से हंस रहे थे... मुद्दा कांग्रेस या मैं नहीं थे, मुद्दा यह था कि मणिपुर में क्या हो रहा है? और इसे क्यों नहीं रोका जा रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि मोदी जी इस बात को समझ नहीं पाते कि भारत का प्रधानमंत्री होना क्या है।

देवधर ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करने वाले कुन्नुम्मल का दिल्ली कैपिटल्स ने लिया ट्रायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। देवधर ट्रॉफी में अपने बल्ले से शानदार प्रदर्शन करने वाले केरल के सलामी बल्लेबाजी रोहन कुन्नुम्मल ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स के ट्रायल में हिस्सा लिया। देवधर ट्रॉफी में दक्षिण क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले रोहन ने 62.20 की औसत से 311 रन बनाए। वह टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में रियान पराग (354) और मयंक अग्रवाल (341) के बाद तीसरे स्थान पर रहे।

कुन्नुम्मल ने इस दौरान 123.90 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए जो नियमित बल्लेबाजों में पूर्व क्षेत्र के पराग (136.67) के बाद दूसरा सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइक रेट था।

इस प्रदर्शन के के बाद दिल्ली कैपिटल्स की ओर से उन्हें अपने शिविर में आमंत्रित किया गया और 25 वर्षीय दाएं हाथ का बल्लेबाज इससे काफी खुश है। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, दिल्ली कैपिटल्स का प्रशिक्षण शिविर बहुत अच्छा रहा है। यहां, मुझे सौरव गांगुली सर और प्रवीण आमरे सर के साथ बातचीत करने का मौका मिला। वे बहुत मददगार रहे हैं और उन्होंने नेट सत्र के दौरान कुछ तकनीकी पहलुओं में मेरी मदद की है। उम्मीद है कि मेरे करियर में इसका सकारात्मक असर होगा।

रोहन पिछले कुछ सत्र से केरल के लिए अच्छा प्रदर्शन कर रहे रहे हैं लेकिन देवधर ट्रॉफी दौरान उन्होंने क्रिकेट जगत ने उन्हें गंभीरता से लेना शुरू किया। पूर्वी क्षेत्र के खिलाफ फाइनल में उनके शतक ने उनके लिए बहुत अच्छा काम किया। उन्होंने कहा, यह सत्र की वास्तव में अच्छी शुरुआत थी। मैं टीम की सफलता में योगदान देकर खुश हूं, खासकर जिस तरह से दक्षिण क्षेत्र ने सभी छह मैच जीतकर टूर्नामेंट जीता। फाइनल मेरे लिए एक बड़ा अवसर था। मैं हालांकि हर मैच में मुझे उसी अंदाज में बल्लेबाजी करना पसंद करता हूं।

रोहन ने देवधर ट्रॉफी के दौरान अपने सीनियर साथी अग्रवाल और इससे पहले भारत की ए टीम में रहने के दौरान चेतेश्वर पुजारा और अभिमन्यु ईश्वरन जैसे खिलाड़ियों का मार्गदर्शन के लिए शुक्रिया किया।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने दिखाई सांसदों की 'हर घर तिरंगा' बाइक रैली को हरी झंडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को सांसदों की 'हर घर तिरंगा बाइक रैली' को हरी झंडी दिखाई और कहा कि भारत का उदय अब थमने वाला नहीं है। यह रैली प्रगति मैदान से प्रारंभ हुई और इंडिया गेट के गोल चक्कर की परिक्रमा करते हुए मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में संपन्न हुई।

धनखड़ ने कहा, यह निश्चित रूप से एक महान अवसर है, यह एक ऐसा अवसर है जो हमें यह महसूस करवाएगा कि पृथ्वी पर विशालतम लोकतंत्र वाले भारत का उदय इस प्रकार हो रहा है जैसे पहले कभी नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के अवसर.... जहां संसद सदस्य उस आयोजन का एक पक्ष बने, जिसमें हमारी खुशियों, उपलब्धियों एवं प्राप्तियों का उत्सव मनाया जाएगा तथा हमारे तिरंगे का सम्मान किया जाएगा..., निश्चित रूप से एक स्मरणीय आयोजन है। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, अनुराग ठाकुर, जी किशन रेड्डी, मीनाक्षी लेखी एवं अन्य उपस्थित थे। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव के तहत देश भर में 13 से 15 अगस्त तक 'हर घर तिरंगा' मनाया जाएगा जिसमें लोगों को उनके घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

राज्यसभा से निलंबन पर चड्ढा ने साधा सरकार पर निशाना, मिला सहयोगी दलों का साथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नियमों के घोर उल्लंघन और अवमाननापूर्ण आचरण के चलते विशेषाधिकार समिति की रिपोर्ट आने तक राज्यसभा से निलंबित किए गए आम आदमी पार्टी (आप) के राघव चड्ढा ने शुक्रवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि सरकार चाहती है कि कोई उसके खिलाफ ना बोले इसलिए यह कार्रवाई की गई है।

विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस 'इंडिया' के घटक दलों ने भी चड्ढा के निलंबन पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। निलंबन के बाद चड्ढा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पूर्व में (ट्वीटर) पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, मुझे क्यों निलंबित किया गया, मेरा क्या अपराध है? क्या मेरा यह अपराध है कि मैंने संसद में खड़े होकर दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा के नेताओं से सवाल पूछे। उन्होंने कहा, पहले हमारे राज्यसभा सांसद संजय सिंह को, फिर लोकसभा सांसद सुशील रिंकू को निलंबित किया गया। ऐसे तो लोकतंत्र बचेगा नहीं। राज्यसभा में एक प्रस्ताव पारित कर चड्ढा को राज्यसभा से निलंबित कर दिया गया।इसके साथ ही, अशोभनीय आचरण तथा नियमों के उल्लंघन के आरोप में निलंबित किए गए आप सदस्य संजय सिंह के निलंबन की अवधि भी विशेषाधिकार समिति की रिपोर्ट आने तक बढ़ा दी गई। उच्च सदन में आम आदमी पार्टी के 10 सदस्य हैं। चड्ढा ने कहा कि क्या भाजपा को यह डर सताता है कि 34 साल का यह युवा नेता उन्हें ललकारता है? उन्होंने कहा, ये बहुत शक्तिशाली लोग हैं और ये किसी हद तक भी जा सकते हैं।

भारतीय ग्रैंडमास्टर प्रज्ञाननंदा ने दूसरे वरीय नाकामूरा को हराया

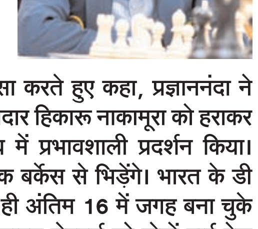

बाकू/भाषा। भारत के युवा ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञाननंदा ने दोनों रैपिड बाजियों में दूसरी वरीयता प्राप्त हिकारू नाकामूरा को हराकर फिडे विश्वकप शतरंज प्रतियोगिता के अंतिम 16 में जगह बनाई। क्लासिकल वर्ग में दोनों बाजियां ड्रॉ छूटने के बाद भारत के 18 वर्षीय खिलाड़ी प्रज्ञाननंदा ने टाईब्रेकर के दोनों बाजियों में अमेरिकी ग्रैंडमास्टर को हराया। भारतीय शतरंज के दिग्गज और पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने प्रज्ञाननंदा की प्रशंसा करते हुए कहा, प्रज्ञाननंदा ने कर दिखाया। टूर्नामेंट से पहले खिताब के प्रबल दावेदार हिकारू नाकामूरा को हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। प्रज्ञाननंदा ने वास्तव में प्रभावशाली प्रदर्शन किया। प्रज्ञाननंदा अंतिम 16 में हंगरी के ग्रैंड मास्टर फेरेंक बर्केस से भिड़ेंगे। भारत के डी गुकेश, विदित गुजराती और अर्जुन एरिगैसी पहले ही अंतिम 16 में जगह बना चुके थे। महिलाओं के वर्ग में भारत की डी हरिका ने एलाइन रोएबर्स को दोनों टाई ब्रेक मैचों में हराकर अगले दौर में प्रवेश किया लेकिन देश की नंबर एक खिलाड़ी कोनेरू हंपी जॉर्जिया की बेला खोतेनश्विली से दोनों टाईब्रेक में हारने के कारण बाहर हो गई। महिला वर्ग में अब भारत का दारोमदार केवल हरिका पर टिका है।

सुविचार

आप अपने जीवन में जब तक कमाओ, जब तक महंगी चीजे सस्ती न लगने लगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वास्थ्य की सुरक्षा

स्वास्थ्य विशेषज्ञों या चिकित्सकों के रूप में किसी उत्पाद या सेवा का विज्ञापन करते समय मशहूर हस्तियों, प्रभावशाली लोगों और डिजिटल इंफ्लूएंसरों के लिए अपनी मूल स्थिति के बारे में 'खुलासा या घोषणा' को जरूरी करने संबंधी प्रावधान आवश्यक हैं। आज जिस तरह सोशल मीडिया का विस्तार हो रहा है, उसके मद्देनज़र लोगों के स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने और सही जानकारी उपलब्ध कराने के लिए इनकी प्रासंगिकता बढ़ जाती है। इस संबंध में पर्याप्त सावधानी बरती जाए। अभी स्थिति यह है कि विज्ञापन और 'उपयोगी टिप्स' के नाम पर सही–ग़लत, हर तरह की जानकारी धड़ल्ले से चल रही है। इस सूरत में मान्यता–प्राप्त संस्थानों से प्रमाण–पत्र पाने वाले चिकित्सकों, स्वास्थ्य एवं फिटनेस विशेषज्ञों को भी जानकारी साझा करते समय या उत्पादों या सेवाओं का प्रचार करते या स्वास्थ्य संबंधी कोई भी दावा करते समय यह 'खुलासा' करना जरूरी होना चाहिए कि वे प्रमाणित स्वास्थ्य या फिटनेस विशेषज्ञ और चिकित्सक हैं। चूंकि आम जनता मशहूर लोगों की 'सलाह' पर बहुत जल्दी विश्वास कर लेती है। अगर कोई व्यक्ति यह सलाह देता है कि अमुक उत्पाद आपके पाचन तंत्र को विभिन्न रोगों से बचाकर स्वस्थ रखेगा, शरीर के अन्य अंगों को भी लाभ पहुंचाएगा तो देखना जरूरी है कि वह किस आधार पर यह सलाह दे रहा है! उसकी स्थिति तो स्पष्ट होनी चाहिए। ऐसे दिशा–निर्देशों से भ्रामक विज्ञापनों, निराधार दावों से निपटना और स्वास्थ्य एवं कल्याण के समर्थन में पारदर्शिता रखना आसान होगा। यह नौ जून, 2022 के भ्रामक विज्ञापनों की रोकथाम के संबंध में जारी दिशा–निर्देशों का ही विस्तार है। उपभोक्ता मंत्रालय ने उचित ही कहा है कि खुद को स्वास्थ्य विशेषज्ञ या चिकित्सक के तौर पर पेश करने वाली हस्तियों, प्रभावशाली लोगों और डिजिटल इंफ्लूएंसरों को कोई भी जानकारी साझा करते, उत्पादों या सेवाओं के विज्ञापन या स्वास्थ्य संबंधी कोई भी दावा करते समय एक स्पष्ट घोषणा देनी होगी, ताकि दर्शक उनकी राय को पेशेवर चिकित्सा सलाह, निदान या उपचार के विकल्प के रूप में न देखें।

मंत्रालय द्वारा स्वास्थ्य विशेषज्ञ या चिकित्सक के रूप में पेश होते समय मशहूर हस्तियों, प्रभावशाली लोगों और डिजिटल इंफ्लूएंसरों को अपनी निजी राय और पेशेवर सलाह के बीच स्पष्ट अंतर रखने और ठोस तथ्यों के बगैर खास तरह के स्वास्थ्य दावे करने से बचने की नसीहत देना भी स्वागत–योग्य है। इससे लोगों के लिए संबंधित उत्पाद या सलाह को लेकर अधिक स्पष्टता होगी। हर व्यक्ति के लिए स्वास्थ्य बहुत ही संवेदनशील मामला है। अगर वह ग़ैर–ज़रूरी / ग़लत सलाह पर विश्वास कर ले और उसे गंभीर नुकसान हो जाए तो किसकी जिम्मेदारी होगी? इसी साल जून में एक चीनी युवती ने वजन घटाने संबंधी सलाह पर 'अमल' करते हुए जान गंवा दी थी। उसके बाद स्थानीय प्रशासन ने वजन घटाने का दावा करने वाले शिविरों और सोशल मीडिया इंफ्लूएंसरों पर सख्ती बरतनी शुरू कर दी थी। भारत में भी बहुत लोग डिजिटल इंफ्लूएंसरों के टिप्स पर काफी विश्वास करते हैं। इसलिए यहां विशेषज्ञता का होना सुनिश्चित करना चाहिए। एक युवती, जो सोशल मीडिया पर उपलब्ध सौंदर्य संबंधी जानकारी में रुचि रखती थी, ने किसी चैनल के मशहूर डिजिटल इंफ्लूएंसर की सलाह पर कुछ खास चीजों से एक लेप तैयार किया। जब उसे चेहरे पर लगाया तो त्वचा को नुकसान हो गया। इसी तरह अल्सर के एक रोगी ने बताया कि उसने किसी डिजिटल इंफ्लूएंसर की सलाह पर ऐसा पेय तैयार किया, जिसे पीने से आराम मिलने का दावा किया गया था। जब उसने पेय का सेवन किया तो दर्द ज्यादा होने लगा। फिर उसने एक अनुभवी वैद्य से परामर्श लिया तो पता चला कि डिजिटल इंफ्लूएंसर ने विधि सही बताई थी, लेकिन सामग्री में एक चीज़ ग़लत बता दी। उसके मिश्रण से मामला बिगड़ गया। उन्होंने रोगी को सही औषधि दी, जिससे वह स्वस्थ हुआ। इसलिए बेहतर यही होगा कि स्वास्थ्य संबंधी मामलों में सलाह / प्रचार के लिए विशेषज्ञों को प्राथमिकता दी जाए और वे तथ्यों के साथ सच्चाई सामने रखें।

ट्वीटर टॉक

भीलवाड़ा में नाबालिग बच्ची के अपहरण, सामूहिक दुष्कर्म और जघन्य हत्या की जांच के लिए गठित भाजपा महिला सांसदों की समिति से आज घटनाक्रम के संदर्भ में विस्तृत रिपोर्ट प्राप्त की। यह रिपोर्ट महिलाओं के उत्पीड़न को उजागर करती है।

–जेपी नड्डा

बीकानेर के जय नारायण व्यास थाना क्षेत्र स्थित गोल मार्केट में सरेआम एक युवक की बेरहमी से हत्या किया जाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। इस घटना से जुड़ा हुआ एक लाइव वीडियो सामने आया है, जिसमें बदमाश बेखौफ होकर इस घटना को अंजाम दे रहे हैं।

–राजेन्द्र राठौड़

जोधपुर में किशन लाल को पानी भरने के लिए और झालावाड़ में कृष्णा वाल्मीकि को बेरहमी से पीट पीट कर मौत के घाट उतार दिया गया। दलितों और आदिवासियों के हक़ की बात करने वाली निरंकुश कांग्रेस ने सारे अधिकारों पर ताले लगा दिए हैं।

–दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

महानता की कसौटी

लिंकन के अमेरिका के राष्ट्रपति बनते ही लोगों ने उनके पूर्वजों तक के बारे में जानना आरंभ कर दिया था। यह बात लिंकन को पता चली तो उन्होंने सभी लोगों से निवेदन करते हुए कहा, 'यदि आप मेरे विगत जीवन को केवल इसलिए खंगालने का प्रयत्न कर रहे हैं कि मैं अब राष्ट्रपति हूं तो यह मूर्खता के अलावा कुछ नहीं है। आप मेरे पुराने जीवन के प्रसंगों को खोज–खोजकर उनमें से महानता ढूंढ़ने का प्रयास न करें। मेरा सारा ध्यान अब इस बात पर है कि मैं राष्ट्रपति के इस पद पर ऐसा क्या खास करूं जिससे कि अमेरिका पूरे विश्व में एक महान और विकसित राष्ट्र के रूप में समृद्ध हो। इसलिए मुझे शांति से मेरे देश के विकास के लिए काम करने दें।

यदि मैं अपने देश के लिए कल्याण के कार्य करूंगा तो किसी को भी मेरी महानता बताने के प्रयास नहीं करने पड़ेंगे। मुझे इन बातों से पहचाना जाए कि मैंने अपने राष्ट्र के लिए ऐसे कार्य किए जिनसे एक नये युग का सूत्रपात हुआ।' उनकी बातों पर वहां उपस्थित लोग देर तक तालियां बजाते रहे।

सामयिक

अंगदान है मानवता, उदारता एवं संवेदना का द्योतक

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

अंग दान दिवस भारत में प्रतिवर्ष 13 अगस्त को मनाया जाता है। हमारा देश महर्षि दधीचि जैसे ऋषियों का देश है, जिन्होंने एक कबूतर के प्राणों व असुरों से जन सामान्य की रक्षा के लिये अपना देहदान कर दिया था। परंतु समय के साथ भारत में अंगदान की प्रवृत्ति में गिरावट देखी गई। निश्चित तौर पर अंगदान करके किसी अन्य व्यक्ति की जिंदगी में नई उम्मीदों का सवेरा लाया जा सकता है। इस तरह अंगदान करने से एक प्रेरणादायी शक्ति पैदा होती है, जो अद्भुत होती है। इस तरह की उदारता एवं संवेदना व्यक्ति की महानता का द्योतक है, जो न केवल आपको बल्कि दूसरे को भी जीवन का उजास प्रदान करती है। किसी व्यक्ति के जीवन में अंग दान के महत्व को समझने के साथ ही अंग दान करने के लिये आम इंसान को प्रोत्साहित करने के लिये सरकारी संगठनों, सार्वजनिक संस्थानों और दूसरे व्यवसायों से संबंधित लोगों द्वारा हर वर्ष यह दिवस मनाया जाता है। इंसान की सम्पत्ति का कोई मतलब नहीं अगर उसे बांटा और उपयोग में नहीं लाया जाए, चाहे वे शरीर के अंग ही क्यों न हो। इस दृष्टि से अंगदान एक महान दान है, जो हमें स्वर्ग–पथ की ओर अग्रसर करता है।

अंगदान की अहमियत और प्रक्रिया के बाबत लोगों को जागरूक करने के लिये ही अंगदान दिवस मनाया जाता है। मानवीय दृष्टि से हर इंसान को पूरिपूर्ण शरीर एवं अंगों के साथ जीवन जीना अपेक्षित है, इसलिये बिल गेट्स ने कहा भी है कि हर मनुष्य का जीवन समान रूप से मूल्यवान है। यही कारण है कि जिस व्यक्ति के शरीर का कोई अंग–भंग है या उसके शरीर का कोई हिस्सा अधूरा है तो उसे वह अंग दान कर एक अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया जा सकता है। एक अंगदान दाता आठ जरूरतमंदों की जान बचा सकता है। कोई भी व्यक्ति इस पुनीत कार्य से जुड़ कर जीवन सार्थक बना सकते हैं। एक जीवित व्यक्ति के लीवर का अंश दो व्यक्तियों को प्रत्यारोपित किया जा सकता है। लीवर की भांति पैंक्रियाज का आंशिक दान किया जाता है, फिर भी दाता का यह अंग बखूबी कार्य करता रहेगा। केवल भारत में ही नहीं दुनिया में हर साल लाखों लोगों के शरीर के अंग खराब होने के कारण मृत्यु हो जाती है।

दुनिया भर के अंगदान दाताओं की संख्या की तुलना में अंगों की मांग काफी अधिक है। हर साल कई मरीज डोनर के इंतजार में मर जाते हैं। आंकड़े बताते हैं कि भारत में 200,000 किडनी की औसत वार्षिक मांग के मुकाबले केवल 6,000 ही प्राप्त होते हैं। इसी तरह, दिलों की औसत वार्षिक मांग 50,000 है, जबकि उनमें से 15 प्रतिशत उपलब्ध हैं। अंग दान करने वालों की संख्या बढ़ाने के लिए अंगदान की आवश्यकता को जनता के बीच संवेदनशील बनाने की आवश्यकता है। सरकार ने कुछ कदम उठाए हैं जैसे टीवी और इंटरनेट के माध्यम से जागरूकता फैलाना। हालाँकि, हमें अभी भी एक लंबा रास्ता तय करना है। अंग दान किसी व्यक्ति के जीवन को बचा सकता है। इसके महत्व को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

कोई भी व्यक्ति चाहे, वह किसी भी उम्र, जाति, धर्म और समुदाय का हों, वह अंगदान कर सकता है। किसी व्यक्ति के जीवन में अंग दान के महत्व को समझने के साथ ही अंगदान करने के लिये आम इंसान को प्रोत्साहित करना इस दिवस को मनाने का उद्देश्य है। अंगदान ऐसी प्रक्रिया है जिसमें किसी जीवित या मृत, दोनों तरह के व्यक्तियों से स्वस्थ अंगों और ऊतकों को लेकर किसी अन्य ज़रूरतमंद व्यक्ति के शरीर में प्रत्यारोपित कर दिया जाता है। प्रत्यारोपित होने वाले अंगों में दोनों गुर्दे (किडनी), यकृत (लीवर), हृदय, फेफड़े, आंत और अग्नयाशय शामिल होते हैं। जबकि ऊतकों के रूप में कॉर्निया, त्वचा, हृदय वाल्व कार्टिलेज, हड्डियों और वेसेल्स का प्रत्यारोपण होता है। आँख, पाचक ग्रंथि, आँत, अस्थि ऊतक, हृदय छिद्र, नसें आदि अंगों का भी दान किया जा सकता है। पूरे देश में ज्यादातर अंग दान अपने परिजनों के बीच में ही होता है अर्थात कोई व्यक्ति सिर्फ अपने रिश्तेदारों को ही अंग दान करता है। विभिन्न अस्पतालों में सालाना सिर्फ अपने मरीजों के लिये उनके रिश्तेदारों के द्वारा लगभग 4000 किडनी और 500 कलेजा दान किया जाता है। जबकि भारत में ही प्रतिवर्ष लगभग 5 लाख लोग अंग प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा कर रहे हैं। प्रत्यारोपण की संख्या और अंग उपलब्ध होने की संख्या के बीच एक बड़ा अंतराल है।

अंगदान जीवन के लिये अमूल्य उपहार है। अंगदान उन व्यक्तियों को किया जाता है, जिनकी बीमारियाँ अंतिम अवस्था में होती हैं तथा जिन्हें अंग प्रत्यारोपण की आवश्यकता होती है। जीवित व्यक्ति के लिये अंगदान के समय न्यूनतम आयु 18 वर्ष होना अनिवार्य है। साथ ही अधिकांश अंगों के प्रत्यारोपण का निर्णायक कारक व्यक्ति की शारीरिक स्थिति होती है, उसकी आयु नहीं। जीवित अंगदाता द्वारा एक किडनी, अग्नयाशय, और यकृत के कुछ हिस्से दान किये जा सकते हैं। कॉर्निया, हृदय वाल्व, हड्डी और त्वचा जैसे ऊतकों को प्राकृतिक मृत्यु के पश्चात दान किया जा सकता है, परंतु हृदय, यकृत, गुर्दे, फेफड़े और अग्नयाशय जैसे अन्य महत्त्वपूर्ण अंगों को केवल ब्रेन डेड के मामले में ही दान किया जा सकता है। अंगदान और प्रत्यारोपण मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम (टीएचओए) 1994 के अंतर्गत आता है, जो फरवरी 1995 से लागू हुआ। इस अधिनियम के अनुसार अंगदान सिर्फ उसी अस्पताल में ही किया जा सकता है, जहां उसे ट्रांसप्लांट करने की भी सुविधा हो। यह अपने आप में बेहद मुश्किल नियम था। इस नियम से दूर–दराज के इलाकों के लोगों का अंगदान तो हो ही नहीं पाता था। इस समस्या को देखते हुए सरकार द्वारा 2011 में इस अधिनियम को संशोधित किया गया। नए नियम के मुताबिक अंगदान अब किसी भी आईसीयू में किया जा सकता है अर्थात उस अस्पताल में ट्रांसप्लांट न भी होता हो, लेकिन आईसीयू है, तो वहां भी अंगदान किया जा सकता है।

दुनियाभर में रक्तदान के प्रति जागरूकता की वजह से बड़े पैमाने पर लोगों ने इसका महत्व समझा और आगे आकर स्वेच्छा से रक्तदान करने लगे हैं, उसी प्रकार अंगदान के प्रति वैश्विक जागरूकता की महत्ती आवश्यकता है। रक्तदान के बाद दूसरे स्थान पर है नेत्रदान। लोग अब नेत्रदान के लिए भी आगे आने लगे हैं। तथ्य बताते हैं कि वैश्विक स्तर पर अंगदान में भारत की हिस्सेदारी बहुत ही कम है। प्राकृतिक मौत पर दिल के वाल्व, कॉर्निया, त्वचा एवं हड्डी जैसे ऊतकों का दान किया जा सकता है। भारत के आम नागरिकों में अंग दान को लेकर उचित शिक्षा और जागरूकता का अभाव है। लोगों को खासकर ब्रेन डेड मरीज के परिजनों को समझना होगा कि अंगदान सबसे बड़ा दान एवं पुण्य का काम है। अंगदान कर आप किसी जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचा कर पुण्य कमाने में पहल कर समाज में उदाहरण बन सकते हैं।

विशेष

सामाजिक समरसता का केंद्र बने संत रविदास मंदिर

लोकेन्द्र सिंह
मोबाइल : 09893072930

भारत को कमजोर करने के लिए जातीय द्वेष बढ़ाने में अनेक ताकतें सक्रिय हैं। उनके निशाने पर विशेषकर हिन्दू समाज है। वहीं, भारतीय समाज को एकसूत्र में बांधने के प्रयास करनेवाली संस्थाएं अंगुली पर गिनी जा सकती हैं। चिंताजनक बात यह है कि भारत विरोधी ताकतों के निशाने पर राष्ट्रीयता को मजबूत करनेवाले संगठन भी रहते हैं। ऐन–केन–प्रकारेण उनकी छवि को बिगाड़ने के प्रयास किए जाते हैं। राजनीतिक क्षेत्र में भी कमोबेश यही स्थिति है। वोटबैंक की राजनीति के चलते अनेक नेता एवं राजनीतिक दल भी हिन्दू समाज में जातीय विद्वेष को बढ़ाने के दोषी हैं। इन परिस्थितियों के बीच शिवराज सरकार ने मध्यप्रदेश के सागर जिले में संत शिरोमणि रविदास महाराज के मंदिर का निर्माण करने का सराहनीय निर्णय लिया गया है। सरकार इस मंदिर को सामाजिक समरसता के केंद्र के तौर पर विकसित करना चाहती है। समरसता मंदिर के निर्माण में संपूर्ण हिन्दू समाज की भागीदारी हो, इसके लिए सरकार के प्रयासों से प्रदेशभर में समरसता यात्राएं निकाली जा रही हैं, जो 12 अगस्त को निर्माण स्थल बड़तूमा पहुँचेंगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान संत शिरोमणि रविदास की जयंती के सुअवसर पर यहाँ समरसता मंदिर की नींव रखेंगे। यह मंदिर अपने उद्देश्य के अनुसार आकार ले, इसके लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान स्वयं सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। वे समरसता यात्राओं में सहभागिता कर लोगों तक संत रविदास के संदेश को पहुँचाने का भगीरथी प्रयास कर रहे हैं। आनंद की बात है कि संत रविदास समरसता यात्रा का रथ जहाँ–जहाँ से गुजर रहा है, वहाँ के लोग मंदिर निर्माण के लिये अपने क्षेत्र की मिट्टी और नदियों का जल देकर संदेश दे रहे हैं कि निश्चित ही यह स्थान सबको एकसूत्र में जोड़ने में सफल होगा।

भारतीय संत परंपरा में संत रविदास जी का महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने अपने दोहों–पदों और आचरण से समाज में व्याप्त जातिगत भेदभाव को दूर करके सामाजिक समरसता पर बल दिया। समाज कैसा होना चाहिए, उनके इस पद में इसके दर्शन मिलते हैं– ऐसा चाहूँ राज मैं, जहाँ मिलै सबन को अन्न, छोट बड़ो सब सम बसै, रैदास रहै प्रसन्न। उन्होंने हमारे सामने ऐसे समाज की संकल्पना रखी, जहाँ किसी भी प्रकार का लोभ, लालच, दु:ख, दरिद्रता और भेदभाव नहीं हो। सब प्रसन्नता से रहें। सामाजिक समरसता के जीवनसूत्र देते हुए संत रविदास ने कहा– रैदास जन्म के कारने होत न कोई नीच, नर कूं नीच कर डारि है, ओछे करम की नीच। अर्थात कोई भी व्यक्ति सिर्फ अपने कर्म से नीच होता है, जो व्यक्ति गलत काम करता है, वह नीच होता है। कोई भी व्यक्ति जन्म से कभी नीच नहीं होता है। संत रविदास जी के इस दर्शन को हमें आत्मसात करना चाहिए और इसे अपने आचरण में उतार लेना चाहिए। हिन्दू समाज की पहचान भी इसी बात के लिए है कि वह समय के साथ आई बुराइयों को समय के साथ ही छोड़कर आगे बढ़ जाता है। यह सत्य हमें स्मरण रखना चाहिए कि समाज को दिशा देनेवाले महान लोगों ने भेदभाव को उस समय भी स्वीकार नहीं किया, जब यह बुराई चरम पर दिखने लगी थी। हमारे यहाँ जातिगत भेदभव के लिए कभी कोई स्थान नहीं रहा है।

संत रविदास जी का यह दर्शन सागर में बन रहे समरसता मंदिर से चहुँ दिशा में फैले, इसको भी सुनिश्चित करने का प्रयास शिवराज सरकार कर रही है। मंदिर को लेकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की क्या संकल्पना है, इसे समझने के लिए उनके वक्तव्य को देखना चाहिए। मुख्यमंत्री कहते हैं कि संत शिरोमणि रविदास जी सामाजिक समरसता के अग्रदूत थे। भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों विशेषकर सियाराम मैं सब जग जानी' के भाव को मानकर संत रविदास ने न केवल भक्ति अपितु सेवा का भी एक नया इतिहास रचा। उन्होंने सामाजिक सद्भाव, समरसता और समानता का मंत्र दिया। वे परोपकारी, दयालु और मृदुभाषी थे। संत रविदास जी का भव्य मंदिर और स्मारक समाज को शांति, सद्भाव और समरसता का संदेश देगा। अर्थात यह मंदिर किसी को संतुष्ट करने या कर्मकाण्ड के लिए नहीं बनाया जा रहा है। बल्कि मंदिर निर्माण के पीछे मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और उनकी सरकार की वृहद एवं पवित्र संकल्पना है। हम उम्मीद करेंगे की यह शुभ संकल्प अपने वास्तविक रूप में साकार हो। समरसता यात्राओं में लोगों की सहभागिता इस विश्वास को और पक्का करती है कि संत रविदास मंदिर सामाजिक समरसता का केंद्र बनेगा।

नजरिया

युवा आबादी देश को रफ्तार प्रदान कर सकती है

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 8949519406

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस हर साल 12 अगस्त को मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य दैनिक जीवन में युवाओं के सामने पेश होने वाली तमाम तरह की परेशानियों और मुद्दों को सुनना–समझना और उजागर करना है। अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के मौके पर समाज को आगे बढ़ाने के लिए विभिन्न परेशानियों का हल निकाला जाता है। युवा दिवस की इस वर्ष की थीम युवाओं के लिए हरित कौशल: एक सतत विश्व की ओर रखी गई है। दुनिया भर में 10 से 24 वर्ष की आयु वाले करीब 180 करोड़ युवा लोग हैं। युवाओं की समस्या को अन्तर्राष्ट्रीय संगठन जैसे संयुक्त राष्ट्र, मानवाधिकार तक पहुंचाना है। विश्व में युवाओं की जनसंख्या को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र ने 17 दिसम्बर 1999 को यह फैसला लिया कि प्रत्येक वर्ष 12 अगस्त को विश्व युवा दिवस मनाया जायेगा। इसका उद्देश्य इस संदेश को बढ़ाना है कि एजेंडा 2030 और इसके 17 एसडीजी को प्राप्त करने के लिए सभी पीढ़ियों से कार्रवाई की आवश्यकता है और किसी को भी पीछे नहीं छोड़ना है। आज, दुनिया हरित

परिवर्तन की ओर अग्रसर है। पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ और जलवायु–अनुकूल दुनिया की ओर बदलाव न केवल वैश्विक जलवायु संकट का जवाब देने के लिए बल्कि सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने के लिए भी महत्वपूर्ण है। हरित विश्व की ओर एक सफल परिवर्तन जनसंख्या में हरित कौशल के विकास पर निर्भर करेगा। हरित कौशल एक टिकाऊ और संसाधन–कुशल समाज में रहने, विकसित करने और समर्थन करने के लिए आवश्यक ज्ञान, क्षमताएं, मूल्य और दृष्टिकोण हैं।

युवा राष्ट्र की रीढ़ होते हैं। युवा नेतृत्व से राजनीति की दशा और दिशा बदल सकती है। विषम परिस्थितियों में निर्णय लेने की क्षमता युवा वर्ग की पहचान कराती है। युवा किसी भी देश और समाज में बदलाव के मुख्य वाहक होते हैं। युवा वर्ग करप्शन फ्री इंडिया चाहता है। आज सम्पूर्ण देश भ्रष्टाचार से आहत है। युवा ही देश को भ्रष्टाचार से मुक्ति की राह दिखा सकता है। ऐसे में देश में युवा नेतृत्व की मांग बढ़ी है। युवा नेतृत्व को लेकर आज देशभर में व्यापक बहस छिड़ी है। युवा आबादी ही देश की तरक्की को रफ्तार प्रदान कर सकती है। भारत विश्व में सब से अधिक युवा आबादी वाला देश है। हमारे यहां 139 करोड़ की जनसंख्या में 65 प्रतिशत युवा हैं। देश में बेरोजगारी दर तेजी से बढ़ी है। इस साल उच्च मुद्रास्फीति पर काबू पाना और लाखों लोगों के लिए रोजगार सृजित करना सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। आज सबसे बड़ी चुनौती युवाओं को रोजगार देने व आत्मनिर्भर बनाने की है। आज का युवा अपने हक की लड़ाई लड़ रहा है। शिक्षा, रोज़गार और बेहतर भविष्य के लिए आज का युवा जागरूक है और लड़ रहा है। युवा वर्ग महंगी फीस, कोचिंग और फॉर्म पर फॉर्म भरता है। भर्तियों के दौरान पेपर लीक होना आम बात हो गई है। माँ–बाप अपनी ज़मीन जायदाद गिरवी रखकर अपने बच्चों को पढ़ाते हैं लेकिन अंत में उन्हें मिलती है बेरोज़गारी। ऐसे में युवा अवसाद की तरफ जाता है, जो एक बहुत बड़ी चुनौती है। युवा वर्ग करप्शन फ्री इंडिया चाहता है। आज सम्पूर्ण देश भ्रष्टाचार से आहत है। युवा ही देश को भ्रष्टाचार से मुक्ति की राह दिखा सकता है। ऐसे में देश में युवा नेतृत्व की मांग बढ़ी है। युवा नेतृत्व को लेकर आज देशभर में व्यापक बहस छिड़ी है। युवा आबादी ही देश की तरक्की को रफ्तार प्रदान कर सकती है।

आज दुनिया के सामने सबसे बड़ी चुनौती स्वच्छ, स्वस्थ और भ्रष्टाचार मुक्त समाज के निर्माण की है। युवा नेतृत्व से राजनीति की दशा और दिशा बदल सकती है। विषम परिस्थितियों में निर्णय लेने की क्षमता युवा वर्ग की पहचान कराती है। युवा किसी भी देश और समाज में बदलाव के मुख्य वाहक होते हैं। युवा वर्ग करप्शन फ्री इंडिया चाहता है। आज सम्पूर्ण देश भ्रष्टाचार से आहत है। युवा ही देश को भ्रष्टाचार से मुक्ति की राह दिखा सकता है। ऐसे में देश में युवा नेतृत्व की मांग बढ़ी है।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पचास वर्षों में रूस के पहले चंद्र अभियान पर 'लैंडिंग क्राफ्ट' के साथ रॉकेट रवाना हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तल्लिन (एस्तोनिया)। भारतीय अंतरिक्ष यान से पहले पृथ्वी के इकलौते उपग्रह चंद्रमा पर उतरने की होड़ में लगभग 50 वर्षों में रूस के पहले चंद्र अभियान के तहत शुक्रवार को 'चंद्र लैंडिंग क्राफ्ट' ले कर एक रॉकेट प्रक्षेपित हुआ। सुदूर पूर्व में रूस के वोस्तोचन अंतरिक्षयान से चंद्रमा के लिए 'लूना–25' यान का प्रक्षेपण 1976 के बाद रूस का पहला प्रक्षेपण है। तब यह सोवियत संघ का हिस्सा था। रूसी चंद्र लैंडर के 23 अगस्त को चंद्रमा पर पहुंचने की उम्मीद है और उसी दिन भारतीय यान के भी चंद्रमा पर पहुंचने की उम्मीद है। भारतीय यान को 14 जुलाई को प्रक्षेपित किया गया था। रूसी अंतरिक्ष यान को चंद्रमा के आसपास की यात्रा करने में लगभग 5.5 दिन लगेंगे। फिर तीन से सात दिन यह सतह पर जाने से पहले लगभग 100 किलोमीटर की दूरी पर चंद्रमा की कक्षा में परिक्रमा करेगा।

केवल तीन देश ही चंद्रमा पर सफलतापूर्वक उतरने में कामयाब रहे हैं: सोवियत संघ, अमेरिका और चीन। भारत और रूस का लक्ष्य चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सबसे पहले उतरने का है। रूस की अंतरिक्ष एजेंसी 'रोस्कोस्मोस' ने कहा कि वह यह दिखाना चाहती है कि रूस ''चंद्रमा पर पेलोड पहुंचाने में सक्षम है'' और ''रूस चंद्रमा की सतह तक पहुंच की गारंटी सुनिश्चित करना चाहता है।'' जाने माने रूसी अंतरिक्ष विश्लेषक विताली ईगोरोव ने कहा, ''चंद्रमा का अध्ययन लक्ष्य नहीं है। लक्ष्य दो महाशक्तियों चीन और अमेरिका तथा कई अन्य देशों के बीच राजनीतिक प्रतिस्पर्धा है जो अंतरिक्ष महाशक्ति के खिताब पर दावा करना चाहते हैं।'' यूक्रेन पर आक्रमण के बाद रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों से उसके लिए पश्चिमी प्रौद्योगिकी तक पहुंच मुश्किल हो गई है, जिससे उसका अंतरिक्ष कार्यक्रम प्रभावित हुआ है। विश्लेषकों का कहना है कि 'लूना–25' शुरू में एक छोटे चंद्रमा रोवर को ले जाने के लिए था, लेकिन यान के वजन को कम करने के उद्देश्य से उस विचार को छोड़ दिया गया। ईगोरोव ने कहा, ''विदेशी इलेक्ट्रॉनिक्स हल्के होते हैं, घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स भारी होते हैं। हालांकि वैज्ञानिकों के पास चंद्र जल का अध्ययन करने का कार्य हो सकता है। रोस्कोसमोस के लिए मुख्य कार्य केवल चंद्रमा पर उतरना, सोवियत विशेषज्ञता को पुनः प्राप्त करना और यह सीखना है कि नए युग में इस कार्य को कैसे किया जाए।'' रोस्कोस्मोस के वीडियो फीड के अनुसार 'लूना–25' को रूस के सुदूर पूर्व में वोस्तोचन कोस्मोड्रोम से बिना किसी त्रुटि के प्रक्षेपित किया गया। स्पेसपोर्ट रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की एक पसंदीदा परियोजना है और रूस को एक अंतरिक्ष महाशक्ति बनाने और कजाकिस्तान में बैकोनूर कोस्मोड्रोम से रूसी प्रक्षेपणों को स्थानांतरित करने के उनके प्रयासों में इसका अहम स्थान है।

विरोध

नई दिल्ली में शुक्रवार को राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पार्टी सांसद राहुल गांधी, अधीर रंजन चौधरी और अन्य विपक्षी सांसदों के साथ मानसून के दौरान संसद भवन में डॉ. भीम राव अंबेडकर की प्रतिमा के सामने विरोध प्रदर्शन करते हुए।

'जो लोग मुंह में चांदी का चम्मच लेकर पैदा हुए हैं वो किसानों, दलितों की समस्याएं कभी नहीं समझेंगे'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को विधानसभा में विपक्ष के नेता अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग मुंह में चांदी का चम्मच लेकर पैदा हुए हैं वे किसानों, गरीबों, दलितों और पिछड़ों की समस्याओं को कभी नहीं समझेंगे। योगी ने कहा कि उनकी सरकार किसानों के कल्याण के लिए काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने राज्य विधानसभा में बाढ़ और सूखे पर बहस का समापन करते हुए कहा, जो लोग चांदी का चम्मच लेकर पैदा हुए हैं, वे गरीब किसानों, दलितों या पिछड़े वर्ग की समस्याओं को नहीं समझेंगे। उन्होंने उनके लिए क्या किया, यह पूरा राज्य और देश जानता है।

विधानसभा में नेता विपक्ष अखिलेश यादव के संबोधन के बाद योगी ने कहा, ''अपने एक घंटे के भाषण में सपा अध्यक्ष ने मुख्य विषय से भटकते हुए सिर्फ गोरखपुर में जलभराव की समस्या का जिक्र किया।'' योगी ने कहा, ''ऐसा लगता है कि 2014, 2017, 2019 और 2022 में लोगों ने जो जनादेश दिया था, वह यूं ही नहीं था।'' मुख्यमंत्री अभी गोरखपुर से विधायक हैं और इससे पहले वह कई बार इस क्षेत्र का लोकसभा में प्रतिनिधित्व कर चुके हैं ।

उन्होंने जोर देकर कहा, 'चिंता मत कीजिए, 2024 में भी खाता नहीं खुलेगा और डबल इंजन सरकार दोबारा बनेगी।'' राज्य में बारिश ठीक से नहीं होने और स्थिति अच्छी नहीं होने पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के आधे हिस्से में कम बारिश हुई है ।

निलंबन के विरोध में जंजीर लपेटकर संसद परिसर पहुंचे आप सांसद रिंकू

नयी दिल्ली/दक्षिण भारत। आम आदमी पार्टी (आप) के सदस्य सुशील कुमार रिंकू लोकसभा से अपने और राज्यसभा सदस्यों संजय सिंह, राघव चड्ढा के निलंबन के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए शुक्रवार को शरीर पर जंजीर लपेटकर संसद भवन परिसर में पहुंचे। रिंकू ने कहा, ''देश में आज लोकतंत्र खतरे में है। केंद्र सरकार ने लोकतंत्र के चारों स्तंभों को दासता की जंजीरों में बांध दिया है।'' लोकसभा में आप के एकमात्र सदस्य ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार पर लोकतंत्र की और बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर की विचारधारा की 'हत्या' करने का आरोप लगाया और जनता से अपील की कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से हटाया जाए। रिंकू ने आरोप लगाया, ''देश की न्यायपालिका लोगों को न्याय देना चाहती है लेकिन केंद्र सरकार शीर्ष अदालत के फैसले को स्वीकार करने को तैयार नहीं है। देश में कार्यपालिका और पूरी नौकरशाही केंद्र सरकार के इशारे पर नाच रहे हैं। गैर–भाजपा नेताओं को प्रताड़ित किया जा रहा है।'' रिंकू ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष जाने सहित पूरे संसद परिसर में घूमते हुए नारे भी लगाए। उन्हें गत तीन अगस्त को लोकसभा अध्यक्ष के आसन के सामने कागज फाड़कर फेंकने के लिए वर्तमान मानसून सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया था।

'सेना के समर्थन के बिना सरकार नहीं चला सकते'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के निवर्तमान प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने स्वीकार किया है कि उनकी सरकार भी शक्तिशाली सेना के समर्थन के बिना नहीं चल सकती, जो तख्तापलट की आशंका वाले देश की राजनीति में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है। शहबाज शरीफ जब विपक्ष के नेता थे, तो वह शासन चलाने के लिए सेना के दखल को लेकर तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान की आलोचना करते थे। लेकिन, सत्ता में आने के बाद उन्होंने वही ढर्रा अपना लिया। बृहस्पतिवार को प्रसारित 'जियो न्यूज' के साथ एक साक्षात्कार में जब एंकर ने कहा कि पाकिस्तान आज दुनिया में 'हाइब्रिड शासन' के सबसे प्रमुख उदाहरणों में से एक है, तो शरीफ ने कहा कि खान ने पूर्व सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा पर बहुत भरोसा किया था।

शहबाज ने कहा, ''खान को भी अपने कार्यकाल के दौरान सैन्य समर्थन मिला। भले उन्होंने दूसरों पर आरोप लगाए लेकिन उनकी सरकार विभिन्न घटकों का मिश्रण थी। हर सरकार को सेना सहित प्रमुख क्षेत्रों से समर्थन की आवश्यकता होती है।'' पाकिस्तान के अस्तित्व में आने के बाद से देश में आधे समय तक सेना का शासन रहा है। शेष आधे भाग में इसने पर्दे के पीछे से देश की राजनीति को नियंत्रित करने का काम किया।

पाकिस्तान की सेना ने बार–बार कहा है कि वह देश की राजनीति में हस्तक्षेप नहीं करेगी, लेकिन नीतिगत मामलों में उसका प्रभाव अब भी स्पष्ट है। हाल में, वह वित्तीय निर्णय लेने की प्रक्रिया में भाग ले रही है और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कोई प्रतिरोध दिखाने के बजाय इस प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया।

शुभारंभ

हैदराबाद में शुक्रवार को अभिनेत्री कामाक्षी भास्करला, फसीहा वसीम और अन्य लोग हैदराबाद के बंजारा हिल्स के होटल ताज कृष्णा में बुटीक ऑफ इंडिया प्रदर्शनी के भव्य शुभारंभ पर।

फिल्म 'लाडला-2' का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई/वार्ता

यशी फिल्म्स प्रा. लि. कृत और अभय सिन्हा निर्मित भोजपुरी फिल्म 'लाडला 2' का फर्स्ट लुक रिलीज कर दिया गया है। फिल्म लाडला 2 में खेसारीलाल यादव मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म लाडला 2 के फर्स्ट लुक में खेसारीलाल यादव और माया यादव का एपीयरेन्स खास नजर आ रहा है। यह फिल्म लाडला का सीक्वल है, जो साल 2015 में रिलीज हुई थी। फिल्म के निर्माता अभय सिन्हा ने कहा कि फिल्म लाडला 2, मां– बेटे के प्रेम और वात्सल्य आधारित रिश्ते की अभिव्यक्ति होने वाली है।लाडला 2 एक बेजोड़ सामाजिक और पारिवारिक फिल्म है। इसका निर्माण हमने भव्यता के साथ किया है। उन्होंने कहा कि इस फिल्म का पहला पार्ट सुपर डुपर हिट रहा था। इसलिए हमने फिल्म को इस तरह से बनाया है कि फिल्म लोगों को मनोरंजित करे और उन्हें फिल्म की यूनिक होने का एहसास हो। यशी फिल्म्स ने हमेशा भोजपुरी की प्रतिनिधि सिनेमा बनाने का प्रयास किया है, जिसे दर्शकों ने ना सिर्फ पसंद किया है, उन्होंने हमारी फिल्म को सर आँखों पर बिठा लिया। यह सिलसिला फिल्म लाडला 2 में भी जारी रहेगी।

इस फिल्म में सभी कलाकारों ने बेहद शानदार काम किया है। मुझे उम्मीद है कि फिल्म दर्शकों को पसंद आएगी। फिल्म लाडला 2 का निर्देशन प्रेमांशु सिंह ने किया है।फिल्म लाडला 2 में खेसारीलाल यादव और माया यादव के साथ मेघा श्री, अमित शुक्ला, अनूप अरोड़ा, एयाज़ खान और रश्मि शर्मा प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म के सह निर्माता अनिल कुमार सिंह और विवेक कुमार हैं। गीतकार अरविन्द तिवारी, विनय निर्मल, सत्या सावरकर और बबुआ विकास हैं। संगीतकार ओम झा हैं।

'रक्षक - इंडियाज़ ब्रेव्स' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/वार्ता

अभिनेता वरूण मित्रा की आने वाली फिल्म रक्षक – इंडियाज़ ब्रेव्स' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। जम्मू रेलवे स्टेशन हमलों पर आधारित फिल्म 'रक्षक – इंडियाज़ ब्रेव्स' में वरूण मित्रा सेना अधिकारी की भूमिका निभाते नजर आयेंगे। इस फिल्म की कहानी वर्ष 2004 में जम्मू रेलवे स्टेशन पर हुए आतंकवादी हमले और अशोक चक्र पुरस्कार विजेता लेफ्टिनेंट त्रिवेणी सिंह पर आधारित है, जिन्होंने अपनी जान देने से पहले आतंकवादियों को मारकर असली नायक की भूमिका निभाई थी।रक्षक – इंडियाज़ ब्रेव्स' का ट्रेलर रिलीज हो गया है वरुण मित्रा ने बताया, मैं फिल्म के ट्रेलर को मिल रहे प्यार के लिए आभारी हूं। यह वास्तव में बहादुरी की एक विशेष कहानी है और इस वास्तविक जीवन के नायक के चरित्र को चित्रित करना एक भावनात्मक लेकिन संतुष्टिदायक अनुभव रहा है। फिल्म में एक आर्मी ऑफिसर की भूमिका निभाना वास्तव में एक बड़ा सम्मान है। 'रक्षक – इंडियाज़ ब्रेव्स' जगरनॉट प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित और अक्षय चौबे द्वारा निर्देशित है।

महिला सशक्तिकरण का संदेश देती है फिल्म 'जवान' : शाहरुख

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान ने एक्स पर अपने प्रशंसकों के सवालों के जवाब दिए। शाहरुख ने कहा कि उनकी फिल्म 'जवान' महिला सशक्तिकरण पर एक मजबूत संदेश देती है। शाहरुख ने एक्स (पहले ट्विटर) पर अपने फैंस से खुलकर बात की। जिसमें उन्होंने सभी सवालों के जवाब दिए। सुपरस्टार का इस दौरान मजाकिया अंदाज भी देखा गया। एक सवाल के जवाब में शाहरुख ने कहा उनकी फिल्म 'जवान' में महिला सशक्तिकरण पर एक मजबूत दृष्टिकोण दिखाया गया है। इसमें बताया गया है कि महिलाओं का सम्मान कैसे करें। अपने पसंदीदा गाने के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, मेरा पसंदीदा गाना फिल्म का चालेया है।

रोमांटिक और मधुर और सौम्य... बिल्कुल मेरे जैसा।'' एक फैन ने पूछा कि फिल्म जवान में कोई सबक या संदेश है। इस पर स्टार ने कहा कि फिल्म में महिला सशक्तीकरण पर एक मजबूत दृष्टिकोण है, जिसमें बताया गया है कि उनका सम्मान कैसे करें और उनके लिए कैसे खड़े हों। शाहरुख खान ने कहा कि वह फिल्म को ''इमोशनल ड्रामा'' के रूप में देखते है।

एक फैन ने 'जवान' में विजय सेतुपति की भूमिका के बारे में पूछा, जिस पर शाहरुख ने लिखा कि विजय एक अद्भुत अभिनेता हैं। मैं वास्तव में चाहता हूं कि हर कोई फिल्म में उनकी बारीकियों को देखे। फिल्म का पहला गाना जिंदा बंदा लोगों के दिलों पर राज कर रहा है। यह गाना अलग–अलग भाषाओं हिंदी (जिंदा बंदा), तमिल (वंधा एडम) और तेलुगु (धुम्मे धुलिपेला) में रिलीज किया गया है। जवान रेड चिलीज एंटरटेनमेंट की प्रस्तुति है। यह फिल्म 7 सितंबर 2023 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में रिलीज होगी।

'जेलर' ने तोड़े सभी रिकॉर्ड

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारत सिने उद्योग में थलाइवा के नाम से ख्यात रजनीकांत ने अपनी नई फिल्म जेलर के जरिये एक बार फिर से बॉक्स ऑफिस पर अपना परचम लहराया है। जेलर ने पहले दिन उम्मीदों से कहीं ज्यादा का कारोबार करते हुए स्वयं को इस वर्ष सर्वाधिक कमाई वाली फिल्मों की सूची में पहले पायदान पर आने का संकेत पहले दिन दे दिया है। जेलर 10 अगस्त को रिलीज हुई और पहले ही शो के साथ रजनी ने अपने अंदाज से सभी को दीङ्कवाना बनाना शुरू कर दिया। प्रशंसकों ने रजनीकांत की फिल्म को इतना प्यार दिया है कि ङ्कजेलर ने ओपनिंग डे कलेक्शन का नया रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है, यहां तक कि कॉलीवुड में फिल्म ने अब तक सबसे बड़े ओपनिंग कलेक्शन का रिकॉर्ड बना लिया है।

शुरुआती नतीजों और ट्रेड एक्सपर्ट के अनुसार, रजनीकांत की फिल्म ने पहले दिन ग्रॉस 50 करोड़ के साथ खाता खोला है।

सभी भाषाओं का कलेक्शन 45 से 50 करोड़ के बीच रहा है। नेल्सन दिलीपकुमार निर्देशित फिल्म को लोगों का प्यार मिल रहा है। 250 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म में तमन्ना भाटिया, शिवा राजकुमार, मोहनलाल, जैकी श्रॉफ आदि प्रमुख भूमिकाओं में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक जेलर तमिलनाडु में 2023 में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। फिल्म ने वहां करीब 23 करोड़ का कलेक्शन किया है। इंडियन बॉक्स ऑफिस पर साल 2023 में आदिपुरुष ने ओपनिंग डे पर सबसे ज्यादा कमाई की है। इस फिल्म ने 89 करोड़ का बिजनेस किया था। इसके बाद इस लिस्ट में शाहरुख खान की पठान (57 करोड़) शामिल है। अब करीब 50 करोड़ का कलेक्शन करके जेलर तीसरे नंबर पर आ गई है।

शुरुआती समाने आ रहे आंकड़ों के मुताबिक, साउथ में रजनीकांत की फिल्म ने नया इतिहास रच दिया है। फिल्म की सिर्फ तमिलनाडु में ओपनिंग 23 करोड़ की बताई जा रही है, जो अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। इसके अलावा कर्नाटका में 11 करोड़, आंध्रप्रदेश में 10 करोड़, केरला में 5 करोड़ और बाकी स्टेट्स में करीब 3 करोड़ का ओपनिंग डे बिजनेस रहा। फिलहाल शुरुआती नतीजों में रजनीकांत की फिल्म को सबसे बड़ी ओपनिंग मूवी बताया जा रहा है, ट्रेडएनालिस्ट्स फिल्म को ब्लॉकबस्टर बता चुके हैं। यह भी कहा जा रहा है कि फिल्म पहले ही हफ्ते में नया रिकॉर्ड मार्क कर देगी। दूसरी तरफ, 'जेलर' को टक्कर देने के लिए सनी देओल की 'गदर 2', अक्षय कुमार की 'ओएमजी 2' और चिरंजीवी की 'भोला शंकर' भी आज रिलीज हुई हैं। सनी की फिल्म को शुरुआती रिस्पॉन्स अच्छा मिल रहा है। पहले दिन के सुबह के शो हाउसफुल रहने से यह उम्मीद की जा रही है कि हिन्दी बेल्ट में गदर–2 पहले 25 करोड़ तक का कारोबार करने में सफल हो जाएगी। गदर–2 के साथ सिनेमाघरों में रौनक लौट कर आई है।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जिनेश्वर परमात्मा ने देशना के माध्यम से मोक्ष मार्ग का निरुपम किया। व्यक्ति उस रास्ते पर चलकर के अपने कर्मों को अक्षय करके मोक्ष पद को प्राप्त कर सकता है, लेकिन व्यक्ति धर्म के क्षेत्र में बहाना बनाता है। कहीं व्यक्ति ऐसे बोलते हैं कि बिना मन जबरदस्ती धर्म करने से क्या फायदा, लालच देकर धर्म कराने से क्या फायदा, बिना मन दवाई लेने से स्वास्थ्य स्वस्थ हो सकता है, बिना मन ऑपरेशन कराने से बीमारी ठीक हो सकती है, बिना मन नौकरी को जाने से सैलरी मिल सकती है। अगर यह सोचे कि ग्राहक आएगा तभी दुकान खोलूंगा।

कपड़े की थैली - मेरी सहेली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। महावीर इंटरनेशनल चेन्नई नार्थ टाउन द्वारा शुक्रवार को साहुकारपेट में 'कपड़े की थैली – मेरी सहेली' के अंतर्गत महावीर इंटरनेशनल का लोगो छपा कर थैलियां वितरण कि गई।

चेयरमैन दिलखुश धोका ने बताया कि पर्यावरण की सुरक्षा के लिए प्लास्टिक की थैली का उपयोग नहीं करना चाहिए। सह सचिव महावीर सबदडा ने जागरूकता अभियान में कहा कि प्लास्टिक थैली हटाओ पर्यावरण बचाओ सलाहकार ज्ञानचंद कोठारी ने बताया कि प्लास्टिक बैगों का पूरे विश्व भर में भारी मात्रा में उत्पादन किया जाता है, जिससे की भारी मात्रा में कचरे की उत्पत्ति होती है। यह कचरा पृथ्वी पर हजारो वर्षों तक बना रहता रहता और इससे भूमि, जल और वायु प्रदूषण उत्पन्न होता है।

इस तरह से यह कई तरह की गंभीर बीमारियों और पर्यावरण प्रदूषण का कारण बनता है। वाइस चेयरमैन शांतिलाल चौधरी, नरेंद्र चौधरी, संजय सुराणा आदि सदस्यों ने कपड़े की थैलियां वितरण की। साथ ही इस अवसर पर गोविन्दप्पा स्ट्रीट में फुटपाथ विक्रेता को बड़ा छाता वितरण किया गया।

सत्य ही भगवान है : साध्वी धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सत्य ही भगवान है। शुक्रवार को साहूकार पेठ के जैन भवन में महासती धर्मप्रभा ने तपस्वियों और एकासन व्रत करने वाले सैकड़ों श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में सत्य का समावेश हो जाए तो मनुष्य परमात्मा को प्राप्त कर सकता है। और अपने जीवन मे सुंगध भर सकता है।

सत्य के बिना वास्तविकता में संसार मे कुछ भी नहीं है। जहां सत्य है, वहां ज्ञान है, जहाँ सत्य नहीं, वहाँ ज्ञान भी नहीं होगा। सत्य के बिना जीवन में किसी भी सिद्धांत या नियम का पालन करना असंभव है। क्योंकि सत्य ही शास्वत है और भगवान भी लेकिन मनुष्य सत्य को जानता है परन्तु फिर भी स्वीकारता नहीं है। सत्य को प्राप्त करने के लिए अत्यधिक मूल्य चुकाना पड़ता है वहीं सत्य को प्राप्त कर लेने से हम अपने लक्ष्यों को आसानी से प्राप्त कर लेते हैं जिससे मानवता का आधार मजबूत होता है और मानव मात्र पर विश्वास टिका रहता है क्योंकि जहाँ सत्य नहीं होता वहाँ आराजकता और अन्याय अपना मुँह उठाते हैं। सत्यवादी को सब सिद्धियां प्राप्त होती है। सत्य भाषण से प्रतिष्ठा प्राप्त होती है जैन दर्शन में जिस महान सत्य कि घोषणा कि गई है वह सत्य अनेकांतवाद जिनवाणी कहती है। सर्वगुण सम्पदाएँ सत्यवक्ता में आ जाती है। साध्वी स्नेहप्रभा ने उत्तराध्ययन सूत्र का वांचन करते हुए कहा कि इन्द्रियों में आशक्ति मनुष्य सत्य को देखता और जानता हुए भी उसे झूठ लाने का प्रयास करता है। क्यों मनुष्य मोहान्ध होकर अन्याय और कपट के मार्ग को अपना लेता है, और धर्म के मार्ग से विमुख हो जाता है। जिस कारण से वो जीव इस लोक और परलोक मे क्लेश और कष्टों का भागी बनता हैं।

उचित अभावों की पूर्ति के धन का उपार्जन होना चाहिये : देवेंद्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आचार्य श्री देवेंद्रसागरसूरिजी ने श्री सुमतिवल्लभ नोर्थटाउन श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ के संघ भवन में धर्म प्रवचन देते हुए कहा कि मुनियों ने मानव मात्र के लिए चार प्रमुख पुरुषार्थ या उद्देश्य निर्धारित किए हैं, जिनमें धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष है। धर्म के लिए धन परमावश्यक है। उचित अभावों की पूर्ति के लिए धन जरूरी है। उसके द्वारा अहंकार तथा अनुचित कार्य नहीं किए जाने चाहिए। धन का उपार्जन केवल इसी दृष्टि से होना चाहिए कि उससे अपने व दूसरों के उचित अभावों की पूर्ति हो सके। धन का महत्व प्रत्येक युग में छोटे-बड़े प्रत्येक व्यक्ति के लिए अवश्य रहा है। सच तो यह है कि धन के अभाव में व्यक्ति का किसी भी दशा में जीवित रह पाना संभव नहीं है। धन के सदुपयोग से रोटी, कपड़ा और मकान जैसी आवश्यकताएं पूरी की जा सकती हैं। उन्होंने आगे कहा कि धन के माध्यम से ही व्यक्ति के सभी कार्य सिद्ध होते हैं, लेकिन ध्यान रहे कि पैसा हमें ऐसे कमाना चाहिए, जिसमें हमारा शारीरिक एवं मानसिक श्रम लगा हो, किसी दूसरे व्यक्ति, समाज एवं राष्ट्र हित का अहित न हो। धन अनुशासित तरीके से व्यय होना चाहिए। हमें धन का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। अर्थात् धन उचित अभावों की पूर्ति के लिए है। उसके द्वारा अहंकार एवं अनुचित कार्य नहीं होने चाहिए। धन का उपयोग शरीर, मन, बुद्धि एवं आत्मा के विकास के लिए होना चाहिए। धन से अपना, परिवार तथा अपने गांव व देश के विकास के लिए होना चाहिए। ज्ञातव्य हो कि धन का दुरुपयोग हमें अवनति की ओर ले जाता है। यदि सभी व्यक्ति धन का सदुपयोग करें तो देश एवं समाज की प्रगति हो सकती है। देश और समाज उन्नति की ओर अग्रसर होगा।

दिन प्रतिदिन कार्य करने से वह कार्य सिद्ध होता है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां खरतरगच्छ के गच्छाधिपति आचार्यश्री जिनमणि प्रभसूरीश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती मुनिश्री स्थविर मुक्तिप्रभसागरजी, गणिवर्य मुनिश्री मनीषप्रभसागरजी, मुनिश्री मतिषप्रभ सागरजी म. सा. कोयम्बटूर जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ के भवन में चातुर्मासार्थ विराजित हैं।

गणीवर्य मनीषप्रभसागर जी म सा ने अपने दैनिक प्रवचन में बताया जिनेश्वर परमात्मा ने देशना के माध्यम से मोक्ष मार्ग का निरुपम किया। व्यक्ति उस रास्ते पर चलकर के अपने कर्मों को अक्षय करके मोक्ष पद को प्राप्त कर सकता है, लेकिन व्यक्ति धर्म के क्षेत्र में बहाना बनाता है। कहीं व्यक्ति ऐसे बोलते हैं कि बिना मन जबरदस्ती धर्म करने से क्या फायदा, लालच देकर धर्म कराने से क्या फायदा, बिना मन दवाई लेने से स्वास्थ्य स्वस्थ हो सकता है, बिना मन ऑपरेशन कराने से बीमारी ठीक हो सकती है, बिना मन नौकरी को जाने से सैलरी मिल सकती है। अगर यह सोचे कि ग्राहक आएगा तभी दुकान खोलूंगा। अगर आपके माता पिता जबरदस्ती स्कूल नहीं भेजते तो आज आप यहां तक नहीं पहुंचते। इस मंजिल तक नहीं पहुंच पाते संसार के क्षेत्र में हर काम बिना मन से हो सकता है, तो धर्म के क्षेत्र में क्यों नहीं धारण करते करते, कभी-कभी तो मन हमारा लगेगा ही। इच्छा करने जैसी नहीं कई छाया से होती है जो करने जैसी नहीं है।

कार्यक्रम में सभी का स्वागत अध्यक्ष सुरेंद्र गोलेछा ने किया। संचालन सचिव श्याम सुंदर लूनिया ने किया और धन्यवाद ज्ञापन प्रदेश युवक परिषद अध्यक्ष दीपक नाहटा ने किया।

वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन कल से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय ए जी जैन स्पोर्ट्स क्लब चेन्नई द्वारा राजस्थानी मूल के युवा खिलाड़ियों में खेल के प्रति रुचि विकसित करने हेतु एवं खिलाड़ियों में जोश, उमंग एवम उत्साह भरने हेतु एकदिवसीय डोट्टा वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन मीनमबाक्कम के एएमजैन कॉलेज में किया जा रहा है। कार्यक्रम के संयोजक दलजीत ढड्ढा ने बताया कि खेल का शुभारंभ सुबह 7 बजे मंगलाचरण के साथ होगा तथा पूरे दिन वॉलीबॉल खेल प्रतियोगिताएं चलेंगी। इस प्रतियोगिता में चेन्नई की 18 से 20 टीमें भाग लेंगी खेल का समापन शाम को होगा। इस खेल प्रतियोगिता के आयोजन हेतु ए जी जैन स्पोर्ट्स क्लब चेन्नई के सभी सदस्य तैयारियों में लगे हुए है।

'भौतिक और आध्यात्मिक उपलब्धियों को शून्य कर प्रभु के पास जाना चाहिए'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वीवी पुरम स्थित संभवनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री अभयशेखरसूरीश्वरजी ने कहा कि भौतिक और आध्यात्मिक उपलब्धियों को शून्य कर प्रभु के पास जाना चाहिए। आज के युग में लाइट्स, पंखा, वॉशिंग मशीन, फोन आदि सब बिजली से चलते हैं। करंट पास होने के लिए एक प्लस व एक माइनस चाहिए। प्रभु दोष रहित है इसीलिए वह हमेशा प्लस की शक्ति का प्रवाह करते है और उस सर्किट को पूरा करने के लिए हमें हमारे माइन्स छोर को आगे बढ़ाना होता। स्वयं के अहंकार, मान, पद, प्रतिष्ठा को छोड़ कर प्रभु के पास जाना पड़ेगा। प्रभु के जन्म अभिषेक के समय असंख्य देवी देवता के सामने सौधर्मेन्द्र देव जो कि 32 लाख देव विमान के मालिक, असंख्य देवियों के इंद्र सौधर्मेंद्र देव बैल का रूप लेते हैं, स्वयं को प्रभु का दास मानते हैं, मैं जो हूं इस से भी नीचे मुझे जाना है और बैल का रूप बनाकर प्रभु का अभिषेक करते हैं।

कलिकाल सर्वज्ञ हेमचन्द्राचार्य ने साढ़े तीन करोड़ श्लोकों प्रमाण साहित्य की रचना की है। श्री वीतराग स्तोत्र के अंत में प्रभु से विनंती करते हैं कि प्रभु मुझे अपना दास स्वीकार करो बस यही चाहिए।

अनुभूति की मासिक काव्य गोष्ठी सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मित्रता दिवस, सावन माह और स्वतंत्रता दिवस का महीना, बहुत सारे ऐसे मौके जिसने अनुभूति की इस मासिक काव्य गोष्ठी को बहुत विशेष बना दिया। दिल्ली से आई कवयित्री अतिथि प्रीति त्रिपाठी ने अपनी सुमधुर आवाज से इस संध्या को काव्यात्मक तो बनाया ही, साथ ही उसे मधुरता का सुरीला आयाम भी दिया। बेटियां तो गुलाब होती है, जरा सा मुस्कुरा दो, तुम हो तो मेरी शाम बन जाए, वह प्यार झांकने लगा, लफ्ज़ मेरे हैं गजल तुम्हारी है और मां पर एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां प्रीति त्रिपाठी के सुमधुर कंठ से निकल वातावरण में संगीत में रागों का संचार कर रही थी।

कोला सरस्वती स्कूल के प्रांगण में आयोजित हुई अनुभूति की इस मासिक काव्य गोष्ठी का शुभारंभ डा. केके कांकानी की प्रार्थना के साथ हुआ। स्वागत उद्बोधन अध्यक्ष गोविंद मूंदड़ा ने प्रस्तुत किया। श्रीमती पुष्पा मूंदड़ा ने अंग वस्त्रम से सुश्री प्रीति त्रिपाठी का सम्मान किया। उनका जीवन परिचय सचिव शकुन्तला करनानी ने भी काव्यात्मक तरीके से प्रस्तुत किया। फिर अनुभूति के सदस्य कविगणों के काव्यपाठ को शोभा चोरडिया के संचालन में एक अप्रतिम ऊंचाई मिली। बीएल आच्छा, मिट्ठु मिठास,प्रहलाद श्रीमाली, उषा टिबरेवाल, रेखा राय, आकांक्षा बरनवाल, रतन डालमिया, ज्योति मेहता, मंजू रूस्तगी व नीलम शारडा की विभिन्न रंगों से भरी कविताओं की प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को आनंद- विभोर कर दिया।

इस अवसर पर अनुभूति के आगामी कार्यक्रमों की घोषणा भी महासचिव नीलम सारडा ने की। जिसमें कोला सरस्वती स्कूल के संयोजन के साथ हिंदी दिवस पर होने वाले हिंदी भाषा की अंतर विद्यालयीन प्रतियोगिताएं, वूमेंस क्रिश्चियन कॉलेज में होने वाली काव्यांकुर काव्य पाठ कार्यशाला का आयोजन और साहित्य संगीत श्रृंखला के दूसरे पड़ाव गजल के फूल कार्यक्रम का विवरण था। अंत में महासचिव के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

मानव मृत्यु के भय को तो अवश्य जीत ही सकता है : वैभवरत्नविजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहुकारपेट के राजेन्द्र भवन में मुनि डॉ. वैभवरत्नविजयजी म. सा. ने शुक्रवार को अपने प्रवचन में अभिधान राजेन्द्र कोष के विषय में बोलते हुए कहा कि मृत्यु जिसको न स्पर्श कर सकता है, ना दुख दे सकता है, ना पीड़ा दे सकता है वो है शुद्ध आत्मतत्व और उसके अनंत गुण है। हमारा हर एक कदम, प्रयास 'जो मेरा है ही नहीं, और होगा भी नहीं' ऐसे निरर्थक संबंध, चीजों के लिए ही हमारा जीवन व्यतीत हो रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी दृष्टि पूर्वभव, परभव और वास्तविकता को नहीं समझने के कारण ही हमारा आज का जीवन देहाधीन हो गया है। कर्म तब तक ही बलवान है जब तक आत्मा सामर्थ्य और गुणवान आत्मा प्रकट नहीं होता। एक पल प्रकट होने के बाद कर्म का अंत होता है।

प्रभु महावीर स्वामी ने पूर्ण ज्ञान वाला केवल ज्ञान पाने के बाद ही जगत को सत्य सुख पाने के लिए बोध दिया है अब केवली प्रभु के वचन का यदि हम पूर्ण श्रद्धा से पालन करते हैं तो हमें दुख, दर्द, पीड़ा, क्लेश हो ही नहीं सकता। हमारे जीवन में सुख हो या दुख, मान हो या अपमान सब कुछ बदलता ही है इसीलिए कभी भी न बदलने वाले ऐसे आत्म तत्व को ही पाना चाहिए। मानव मृत्यु को नहीं रोक सकता लेकिन मृत्यु के भय को तो अवश्य जीत ही सकता है। समझदार मानव शरीर, मन, कर्म के मूल ऐसे अज्ञान को ही मार देते हैं।

उन्होंने बताया कि आचार्यश्री राजेन्द्र सूरीश्वरजी म. सा. ने यह मानव भव का मूल्य क्या है और कितना अमूल्य है के बारे में बताया। ऐसी अमूल्य आत्मा भव को पाकर भी उन्होंने मृत्यु के भय को भी जीत लिया था। हमारे मन में जैन दर्शन का अनंत मूल्य होना ही चाहिए क्योंकि जैन दर्शन के बल से ही सभी पाप, गलतियां, दोषों का नाश होता है।

प्रेक्षा ध्यान व योग कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। कोयम्बटूर में तेरापंथ महिला मंडल एवं प्रेक्षा वाहिनी के तत्वावधान में दो दिवसीय प्रेक्षा ध्यान एवं योग कार्यशाला का आयोजन तेरापंथ भवन में किया गया। मुख्य प्रशिक्षक के रूप में दिल्ली से विमल गुणेचा ने ध्यान व योग के गुरु सिखाए। कार्यशाला में अच्छी उपस्थिति रही। सभी का स्वागत बजरंग बोथरा ने किया। अतिथियों का सम्मान तेरापंथी सभा के अध्यक्ष उत्तमचन्द पुगलिया ने किया। धन्यवाद ज्ञापन महिला मंडल की मंत्री सुमन सुराणा ने किया।

पूर्वकाल की साधना उपासना को दीर्घजीवी बना देती है : आचार्य उदयप्रभसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। किलपॉक श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ में विराजित आचार्यश्री केशरसूरिजी के समुदाय के वर्तमान गच्छाधिपति आचार्यश्री उदयप्रभ सूरिश्वरजी म. सा. ने वैराग्य गुण अधिकार की विवेचना करते हुए कहा वैराग्य प्रबल होता है तो सहनशक्ति बढ़ती है। सहनशक्ति बढ़ने से साधना सुगम बन जाती है। जिसका वैराग्य कमजोर होता है उसके धर्म टालने के बहाने ज्यादा रहते हैं। जिस व्यक्ति का वैराग्य मजबूत होता है तो उसके लिए साधना इनाम हो जाती है। जहां हृदय में श्रद्धा प्रबल रहती है वहां विघ्न मंद हो जाते हैं। श्रद्धा हो तो जंगल में भी उपासना की जा सकती है, श्रद्धा नहीं है तो महल में भी उपासना करने पर विघ्न पैदा होते हैं। वैराग्य का मतलब 'उदासीन भाव' यानी जीवन में आते उतार-चढ़ाव में मध्यस्थ, स्वस्थ रहना, वह वैराग्य का एक प्रकार है। वैराग्य के फायदे बताते हुए उन्होंने कहा कि वैराग्य जिसके जीवन में प्रबल है, उसकी अभिमान वृत्ति घटती है। वैराग्य से साधना दीर्घजीवी बनती है और वासना अल्पजीवी बनती है और धारणा मरजीवी बनती है यानी मन की ग़लत धारणा, भौतिक कल्पनाएं मृत जैसी बनती है। साधना समय से, स्थान से जुड़ी हुई होती है परन्तु उपासना कभी भी की जा सकती है। उन्होंने कहा कोई भी आराधना में प्रवेश होने के लिए उत्साह, टिकने के लिए धैर्य और पार पाने के लिए उपशम भाव होने चाहिए।

आचार्यश्री ने आगे कहा आज व्यक्ति वासना से ज्यादा धारणा से दु:खी है। दोष दोनों में ज्यादा है लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि हम किसे टाल सकते हैं। भोग्य वस्तु के सेवनकाल में होता हुआ मोह, वह 'वासना' है, तो वस्तु न मिलने पर होती हुई आकांक्षा, अपेक्षा, उसे धारणा या कल्पना कहते हैं। हम वासना को शायद छोड़ न पाए, तो कम से कम धारणा को तो छोड़ ही दें। अपना मन ही अपने को ठगे वह उचित नहीं है।

सूर्या किरण के स्वास्थ्य शिविर में 1456 एडवोकेट हुए लाभान्वित

बेंगलूरु। शहर के सूर्या किरण फाउंडेशन ट्रस्ट एव एडवोकेटस एसोसिएशन द्वारा सिटी सिविल कोर्ट परिस में रक्तदान, स्वास्थ्य जांच, दंत जांच शिविर का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति पीएस दिनेश कुमार, सिटी सिविल कोर्ट के न्यायमूर्ति मुरलीधर पई, कोर्ट ऑफ स्मॉल के न्यायमूर्ति रेणुका बी वी सहित अनेक जज उपस्थित थे।

डॉक्टर राजू कृष्णमूर्ति ने बताया कि आज हमें बीमारियों से डरने की नहीं अपितु सजग व सतर्क रहने की आवश्यकता है।

जीवन में पूर्ण आध्यात्मिकता जरूरी : साध्वी चैतन्यश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई में पुरुषवाक्कम के एएमकेएम सेन्टर में विराजित साध्वी चैतन्यश्रीजी म.सा. ने अपने प्रवचन में बताया कि हमारे जीवन को धर्म में डुबाना है। भौतिक जगत में नहीं डुबाना है। आध्यात्मिक जीवन में डूबना जरूरी है। प्रभु भक्ति करना है, तो आप मछली के समान करनी है, भैंस के समान नहीं करना। मछली पानी के बिना नहीं रह सकती है वैसे ही आप भक्ति के साथ धर्म के बिना तथा प्रभु के बिना नहीं रह सकते। भैंस कुछ देर के लिए पानी में रह सकता है फिर वह बाहर आ जाता है परंतु मछली पानी में ही रहती है और अंतिम श्वांस तक पानी में रहती है उसी प्रकार हम भी धर्म में जीना चाहिए। परमात्मा के जिनवाणी में डूब कर रहना चाहिए। भैंस कुछ देर पानी पानी में रहकर बाहर आते ही कीचड़ लगा लेती हैं। वैसे ही कुछ देर हम भगवान की भक्ति करते हैं और फिर संसार रूपी कीचड़ में फंस जाते हैं। अगर इसी तरह करते रहेंगे तो आपका जन्म मरण का चक्र आजीवन चलता रहेगा। मुक्ति का मार्ग सदा-सदा के लिए बंद हो जाएगा।

धर्मसभा में कांताबाई चोरड़िया के 23 एवं संजना छल्लानी के 11 की तपश्या के प्रत्यख्यान हुए। मंच संचालन मंत्री महिपाल चोरड़िया ने किया। यह जानकारी पुरुषवाक्कम संघ के अध्यक्ष विनयचन्द पावेचा ने दी।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.

Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.